



अधिकतम 15.6 डिग्री
न्यूनतम 4.6 डिग्री

हरिभूमि सोनीपत भूमि

रोहतक, रविवार 14 जनवरी 2024

11 डीसी से मिलने
पहुंचे नाहरा के
किसान



12 विकसित भारत
खाने का
संकल्प लिया



खबर संक्षेप

कार का शीशा तोड़कर नकदी व दस्तावेज चोरी
गोहाना। शहर में बरोदा रोड स्थित मैरिज पैलेस के बाहर खड़ी कार का शीशा तोड़कर दो लाख रुपये और दस्तावेज चोरी कर लिए गए। शहर थाना गोहाना में मामला दर्ज किया गया। आदर्श नगर के रवि मान ने पुलिस को बताया कि उसकी अनाज मंडी में आदत की दुकान है। वह शुक्रवार रात को अपने दोस्त प्रसन्न निजावन के साथ अपनी स्विफ्ट में बरोदा रोड स्थित मैरिज पैलेस में शायी में आया था। कार को मैरिज पैलेस के बाहर खड़ी की थी। रात लगभग दो बजे वह बाहर आया तो कार का काग का शीशा टूटा मिला। कार के अंदर रखे दो लाख रुपये, लाइसेंस और अन्य दस्तावेज चोरी हुए मिले।

कार चालक ने दुकानदार को कुचला सोनीपत। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-44 पर बहालगढ़ के पास सड़क पार करते समय कार की टक्कर से चाय की दुकान चलाने वाले दुकानदार की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। पुलिस ने उनके भांजे के बयान पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।
लियासपुर स्थित इंद्रा कॉलोनी निवासी विजय ने बहालगढ़ थाना पुलिस को बताया कि वह ई-रिक्शा चालक है। उनके मामा मूलरूप से बिहार के बेगूसराय के महमूदपुर निवासी नरेश फिलहाल बहालगढ़ में रहते थे। वह बहालगढ़ में चाय की दुकान चलाते थे। वह 11 जनवरी को बहालगढ़ फ्लाईओवर के पास सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान दिल्ली नंबर की ब्रेजा कार ने उनके मामा को टक्कर मार दी। बाद में उनकी मौत हो गई।

टंड में धरने पर बैठे बुजुर्ग की तबीयत बिगड़ी

सोनीपत। लघु सचिवालय के सामने धरने पर बैठे गांव जुआं निवासी बीपीएल पात्र बुजुर्ग सूरजभान की टंड लगने से तबीयत बिगड़ गई। जिला मांग को पार्श्व संजय लेकर धरना बड़वासनी ने दे रहे धरना स्थल पर जाकर सूरजभान की तबीयत के बारे में जानकारी ली। इसके बाद सूरजभान को उनके घर भेज दिया गया। जिला पार्श्व संजय बड़वासनी



ने कहा कि 100-100 गज के प्लॉटों पर कब्जा दिलाने की मांग को लेकर गांव जुआं के ग्रामीण 70 दिन से आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन

प्रशासन की ओर से अब तक उन्हें प्लॉटों पर कब्जा नहीं दिलाया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार व प्रशासन को जल्द कार्रवाई करनी चाहिए जो कार्य 5 दिन का है उसमें 70 दिन से भी अधिक का समय लगा दिया गया है। यह बीपीएल परिवारों के साथ अन्याय है। उनके हक की आवाज किसी भी स्तर में नहीं बने दबाने दी जाएगी। इस दौरान मोहम्मद सिंह, प्रदीप कुमार समेत अन्य ग्रामीण धरने पर मौजूद रहे।

छाया रहा घना कोहरा, दिनभर चली सूरज और बादलों में आंख-मिचौली

हरिभूमि न्यूज सोनीपत

मौसम विभाग की चेतावनी के अनुसार जिले में शनिवार को सुबह से ही घना कोहरा छाया रहा। लगभग 11 बजे कोहरे की चादर छंटी तो सूर्य देव के दर्शन हुए, लेकिन पूरा दिन बादलों के बीच सूरज की आंख मिचौली चलती रही। जिसके कारण धूप से राहत का इंतजार कर रहे लोगों को मायूसी हाथ लगी। इसके साथ ही जिले में शनिवार को शीतलहर भी चलती रही, जिसके कारण मौसम में ठंडक बनी रही। दूसरे दिन भी सूरज निकलने के कारण अधिकतम तापमान में आंशिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है, लेकिन न्यूनतम तापमान शक्रवार की तरह ही बना रहा। जिले में शनिवार को न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री दर्ज किया गया है। जिसकी वजह से सुबह और शाम अच्छी-खासी ठंड महसूस की जा रही है। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो आने वाले दिनों कोहरा छाया रह सकता है। कोहरे को लेकर तीन दिनों का येलो अलर्ट जारी किया गया है। कोहरे के चलते ही शनिवार को कई रेलगाड़ियां देरी से चली, वहीं सड़कों पर भी वाहनों के पहिये धीमे रहे। इसके अलावा शीतलहर की रफ्तार थोड़ी कम होते ही वायु गुणवत्ता सूचकांक में वृद्धि दर्ज की गई है।

कुछ दिनों से चल रही शीतलहर की रफ्तार शनिवार को कुछ कम थी। शनिवार को 3



सोनीपत। शनिवार को शहर की सड़कों पर छाया कोहरा।

तीन दिन और कोहरा छाए रहने की संभावना

मौसम विभाग ने तीन दिन कोहरा छाने की संभावना जताई है। इसके लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। येलो अलर्ट हालांकि ज्यादा कोहरे का संकेत नहीं है, लेकिन येलो अलर्ट में कोहरा इतना हो सकता है कि सड़कों पर दृश्यता लगभग 30-40 मीटर तक सीमित रह सकती है। सीधे शब्दों में शनिवार की अपेक्षा रविवार और आने वाले दो दिनों में कोहरा थोड़ा कम ही होगा। वहीं कृषि विभाग ने फसलों को ठंड से बचाने के लिये खेतों में हल्की सिंचाई की सलाह दी है।

यातायात पर रहा असर, ट्रेन भी लेट

कोहरे का असर सड़कों और रेल यातायात पर पूरी तरह से दिखाई दिया। सड़कों पर जहां सुबह 11 बजे तक वाहनों की गति काफी रही, वहीं रेलगाड़ियां भी कई घंटों की देरी से चली। कोहरे की वजह से ट्रेनों की रफ्तार पर लगाम लगी रही। गौता जयंती 17 घंटे, आठपाली 12.30 घंटे, मालवा पांच घंटे, कालका शताब्दी चार घंटे व पश्चिम एक्सप्रेस तीन घंटे की देरी से चल रही है।

किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से शीतलहर चली। जिसकी वजह से प्रदूषण का स्तर फिर से बढ़ गया है। जिले में शनिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 292 दर्ज किया गया है, जोकि एक दिन पहले तक 229 पर था। हवा की गति धीमे होते ही प्रदूषण का स्तर बढ़ा है।

जिले में लगातार दूसरे दिन सूर्य देव के दर्शन हुए, इसी वजह से जिले के अधिकतम तापमान

में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि न्यूनतम तापमान पहले की तरह सीजन का सबसे कम बना हुआ है। शनिवार को अधिकतम तापमान 15.6 डिग्री व न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जोकि एक दिन पहले यानि शक्रवार को अधिकतम तापमान 15.4 डिग्री व न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

अब नागरिक अस्पताल में 24 घंटे मिलेगी एक्स-रे की सुविधा, 4 रेडियोग्राफर नियुक्त

सुनील छिक्कारा सोनीपत

प्रदेश सरकार व स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जिले में बेहतर चिकित्सक सुविधा देने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। अस्पताल में कई सालों बाद चार नए रेडियोग्राफर की तैनाती की गई है। जिसके चलते अस्पताल में अब

24 घंटे की एक्सरे सुविधा विभाग की तरफ से दी जायेगी। हादसे में घायल होकर व लड़ाई-झगड़ों में घायल होकर आने वाले मरीजों को महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल खानपुर या पीजीआई रोहतक के चक्रवर्ती नहीं काटने पड़ेगी। प्रबंधन की तरफ से पांचों रेडियोग्राफर की तैनाती अस्पताल में कर दी है। अपनी-अपनी शिफ्ट के हिसाब से रेडियोग्राफर

अस्पताल में अपनी ड्यूटी पर तैनात रहेगें। बता दें कि नागरिक अस्पताल को 200 बेड से तीन सौ बेड बनाने की प्रक्रिया विभाग द्वारा अमल में लाई जा रही है। वहीं अस्पताल में हर रोज 1200 से 1500 मरीजों की ओपीडी संख्या भी रहती है। अस्पताल प्रबंधन की तरफ से तमाम चिकित्सक सुविधाएं मरीजों को देने के लिए प्रयासरत है। अस्पताल में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से छह रेडियोग्राफर के छह पद स्वीकृत है। जबकि अस्पताल के एक्सरे विभाग में पहले महज एक ही रेडियोग्राफर राजेश दहिया की तैनाती थी। जिसके चलते अस्पताल में सुबह ओपीडी समय के अनुसार ही एक्सरे किए जाते थे। ओपीडी में उपचार के लिए आने वाले मरीजों को एक्सरे विभाग में एक्सरे करवाने के लिए



सोनीपत। एक्सरे विभाग में लाइन में लगे मरीज।

एमएलएसी व पोस्टमार्टम सहित हादसों के मरीज होते थे रेफर

अस्पताल में आपातकालीन कक्ष में गंभीर रूप से घायल होकर आए मरीज व लड़ाई-झगड़ों में पहुंचे मरीजों के चिकित्सकों की तरफ एक्सरे लिखे जाते थे। अस्पताल में एमएलएसी (पुलिस केस) से संबंधित मरीजों को महिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल खानपुर या रोहतक पीजीआई में रेफर कर दिया जाता था। वहीं पोस्टमार्टम के लिए आए शवों को एक्सरे व होने के अभाव के चलते रेफर करना पड़ता था। एक्सरे विभाग में हुई पांच रेडियोग्राफरों की तैनाती होने के चलते एक्सरे की सुविधा को प्रबंधन की तरफ से 24 घंटे कर दिया गया है। जिसके चलते मरीजों के साथ-साथ अन्य को भी फायदा पहुंचा है।



लंबी लाइनों के साथ-साथ दो-दो दिन तक इंतजार करने पर मजबूर होना पड़ता था। हाल के दिनों में अस्पताल प्रबंधन व स्वास्थ्य विभाग की तरफ से नागरिक अस्पताल में पांच स्वीकृत पदों पर रेडियोग्राफर की तैनाती कर दी है। हालांकि चार रेडियोग्राफरों सीमा,

पारस तुषीर, पुष्पा, सुशील ने पद पर ज्वाइन कर लिया है। छठे पद पर अभी रेडियोग्राफर ने ज्वाइन नहीं किया है। रेडियोग्राफरों की तैनाती के चलते मरीजों को हाल के दिनों में 24 घंटे एक्सरे की सुविधा अस्पताल प्रबंधन की तरफ से दी जा रही है।

मरीजों को बेहतर सुविधाएं देना हमारी प्राथमिकता

अस्पताल प्रबंधन की तरफ से मरीजों को बेहतर चिकित्सक सुविधा देने के प्रयास किए जाते हैं। एक्सरे विभाग में रेडियोग्राफरों की तैनाती के चलते मरीजों को फायदा पहुंचेगा। वहीं अल्ट्रासाउंड के लिए विभाग को पत्राचार के माध्यम से समय-समय पर अवगत करवाया जाता है। जल्द ही रेडियोलॉजिस्ट के पद को भरा जायेगा। ताकि अल्ट्रासाउंड करवाने वाली महिलाओं व अन्य मरीजों को परेशानी का सामना न करना पड़े। डा. लोकवीर, प्रधान चिकित्सक अधिकारी नागरिक अस्पताल।



अल्ट्रासाउंड मशीन फांक रही धूल

नागरिक अस्पताल में गर्भवती महिलाओं सहित अन्य रोग से संबंधित मरीजों को अल्ट्रासाउंड करवाना बेहद आवश्यक होता है। चिकित्सक की राय के बाद ही मरीज का आगामी उपचार होता है, अस्पताल में करीब दो साल से रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती न होने के कारण मरीजों को महिला मेडिकल कॉलेज खानपुर या रोहतक पीजीआई में जाना पड़ता है। अस्पताल में दो साल के करीब रेडियोलॉजिस्ट का पद खाली पड़ा है। जिसके चलते लाखों रुपये कीमत की मशीन धूल फांक रही है। हालांकि गर्भवती महिलाओं के लिए अस्पताल प्रबंधन की तरफ से मिजि सेंटर पर अल्ट्रासाउंड करवाने की सुविधा दी हुई है।

अवैध हथियार सहित युवक गिरफ्तार, केस

हरिभूमि न्यूज सोनीपत

एंटो ब्रलरी स्टॉफ सोनीपत पुलिस ने अवैध हथियार सहित आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित महीन उर्फ मोनू निवासी सुदामा नगर मुरथल अड्डा का है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ संबंधित थाने में मुकदमा दर्ज कर अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

जांच अधिकारी उप निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि उनकी टीम जटवाड़ा के पास मौजूद थी। उसी दौरान सूचना मिली कि एक युवक संदिग्ध हालत में घुम रहा है। टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे काबू कर



लिया। तलाशी के दौरान उसके पास एक जिंदा कारतूस व अवैध पिस्तौल बरामद हुआ। आरोपित के खिलाफ सिविल लाइन थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया। पृष्ठताछ में आरोपित ने बताया कि उक्त हथियार को उसने बिहार से राहगीर से लिया था। आरोपित को अदालत में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

खाते से लाखों रुपये निकालने का आरोप

सोनीपत। मोहाना थाना क्षेत्र के गांव चिटाना बैंक में खाताधारक के खाते से लाखों रुपये की राशि निकालने के आरोप का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस साइबर सेल की मदद ले रही है। ताकि कोई सुराग हाथ लग सके। गांव जुआं निवासी जयवीर सिंह ने बताया कि उसने अपना खाता गांव चिटाना स्थित एसबीआई की शाखा में खुलवा रखा है। वह बैंक में अपनी पास बुक में इंटरू करवाने के लिए पहुंचा। जहां उसने पाया कि खाते से गत 10 दिसंबर-2023 से लेकर 7 जनवरी 2024 के बीच में एक लाख 46 हजार पांच सौ रुपये की राशि को किसी ने निकाल लिए। उसने किसी को न तो ओटीपी की जानकारी दी, ओर ना ही खाते से संबंधित जानकारी दी। मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी।

SHIVA SHIKSHA SADAN
DEV NAGAR, SONIPAT-131001, HARYANA
E: info@shivashikshasadhan.com

REQUIRES FOR APPOINTMENT

TGT -MATHEMATICS

with prolific experience, Post-Graduate with B.Ed., HTET/CTET/NET Qualified, Result-oriented female candidates educated through English medium, with commendable communication skills & proven abilities to prepare students for Olympiads, APs and Competitive exams

Gross Salary Rs. 50,000/- plus

Candidates may apply through hand written resume, latest photograph and all testimonials in school office or through email at info@shivashikshasadhan.com

हरियाणा की ईमानदार

एवं सर्वश्रेष्ठ विधायक

अवार्ड विजेता

आप सभी को

मकरसंक्रांति की

हार्दिक शुभकामनाएं

निर्मल चौधरी

वर्किंग महिलाओं के लिए बेस्ट इन्वेस्टमेंट स्कीम



सुझाव

बिजनेस डेस्क

देश में लगातार कामकाजी महिलाओं का संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में महिलाओं को भी अपना पैसा बढ़ाने के लिए निवेश पर फोकस करना चाहिए, ताकि उन्हें अच्छा ब्याज मिल सके और वे भी पुरुषों की भांति अमीर हो सकें। अक्सर देखने में आता है कि ज्यादातर महिलाएं अपना पैसा घर पर ही बचाकर रखती हैं, जिसका कोई ब्याज नहीं मिलता है। अगर इन पैसों को किसी सही जगह इन्वेस्ट किया जाए तो न सिर्फ पैसा सुरक्षित रहेगा, बल्कि अच्छा मुनाफा भी कमा सकेंगी। आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने और वित्तीय सुरक्षा के लिए सिर्फ कमाना ही काफी नहीं है, बल्कि इन्वेस्टमेंट करना भी जरूरी है। अगर आप भी कामकाजी महिला हैं तो निवेश के बेस्ट विकल्पों से जुड़ी जरूरी बातें आपको पता होनी ही चाहिए।

गोल्ड में निवेश

कहते हैं कि महिलाओं को अपनी रसोई और सोना सबसे प्यारा होता है। पुराने समय से ही महिलाएं गोल्ड में निवेश करती आ रही हैं। सोने में निवेश के आप फिजिकल, डिजिटल गोल्ड, गोल्ड बॉन्ड और गोल्ड ईटीएफ जैसे कई विकल्प के जरिये इन्वेस्ट करके मुनाफा कमा सकते हैं। वर्तमान में डिजिटल गोल्ड जैसे विकल्पों से गोल्ड इन्वेस्टमेंट को और अधिक सेफ और आसान बना दिया है। गोल्ड में इन्वेस्ट कर आप अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

म्यूचुअल फंड

वैसे तो शेयर बाजार में निवेश करके अच्छा रिटर्न कमाया जा सकता है, लेकिन इसमें हाई रिस्क रहती है। यदि आप थोड़े कम जोखिम के साथ निवेश प्लान लेना चाहते हैं तो आपके लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी बेहतर विकल्प साबित होगा। अगर आप लंबे समय के लिए इन्वेस्ट करना चाहते हैं तो बता दें कि एसआईपी आपके लिए बेहतर ऑप्शन है, क्योंकि यह किफायती होने के साथ-साथ आसान भी है। इसमें हर महीने निवेश कर महिलाएं अच्छा मुनाफा कमा सकती हैं। यह निवेश का सबसे सुरक्षित और किफायती जरिया भी माना जाता है। आजकल देश में इसकी डिमांड भी बढ़ रही है।

डेट फंड

डेट फंड असल में म्यूचुअल फंड ही होता है, जो बिना जोखिम उठाए एफडी से ज्यादा रिटर्न देते हैं। फिक्स्ड डिपॉजिट का समय पूरा होते ही डेट फंड आपको फिक्स्ड रेट पर अच्छा खासा रिटर्न देते हैं। मौजूदा वक्त में डेट फंड में 6% से 8% का ब्याज मिल रहा है। इसमें महिलाएं मिनिमम 500 रुपये से एसआईपी शुरू कर सकती हैं।

नेशनल पेंशन स्कीम

भारत सरकार की रिटायरमेंट स्कीम में निवेश करके वर्किंग वूमन बुढ़ापे के लिए पेंशन फंड इकट्ठा कर सकती हैं। सरकार ने पेंशन की कई योजनाएं चलाई हैं, जिसमें राष्ट्रीय पेंशन योजना भी शामिल है, जिसमें निवेश करके पैसा सुरक्षित रख सकते हैं। एनपीएस के जरिये कॉर्पोरेट बॉन्ड, इक्विटी, लिक्विड फंड शामिल हैं।

हेल्थ इश्योरेंस

यह अक्सर कहा जाता है कि सबसे अच्छा निवेश जो हम कर सकते हैं वह हमारे स्वास्थ्य में है। यह आपके परिवार के साथ-साथ आपके स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है। फाइनेंशियल प्रोटेक्शन हेल्थ इश्योरेंस किसी भी गंभीर बीमारी में लगाने वाले हाई कॉस्ट को कवर करके वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है। हेल्थ इश्योरेंस की मदद से हम अचानक से आने वाले वित्तीय संकट से बच सकते हैं।



निवेश मंत्रा बिजनेस डेस्क

अचानक कोई जरूरत पड़ जाए या घर, कार जैसी महंगी चीजें खरीदनी हों, तो लोन सभी लेते हैं। नई तकनीक के इस्तेमाल ने तो कर्ज लेना पहले से काफी आसान बना दिया है। लिहाजा, लोग भी आसान क्रेडिट की इस सुविधा का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर करने लगे हैं। जरूरत पड़ने कर्ज लेने में कोई हर्ज नहीं होता, क्योंकि इसके बिना आपके कई बार काम रुक जाते हैं, लेकिन कर्ज कोई भी हो, उसकी ईएमआई को नियमित रूप से चुकाने पर हमेशा ध्यान देना चाहिए। कर्ज के भुगतान में लापरवाही बरतना लंबे अरसे में आपकी फाइनेंशियल हेल्थ के लिए बेहद नुकसानदेह हो सकता है और आप धीरे-धीरे कर्ज के मकड़जाल में फंस जायेंगे। इसलिए ध्यान रखें ज्यादा जरूरत पड़ने पर ही लोन लें और उसे समय से चुकाएं भी। एक लोन उतारने के लिए दूसरा लोन न लें, वरना बोझ बढ़ता जाएगा और एक समय ऐसा आएगा कि आप उससे उभर नहीं पायेंगे। कर्ज लेते समय या उसे चुकाने के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है, ताकि आगे चलकर आपको कोई परेशानी न हो। हम यहां आपको ऐसी ही कुछ बातों के बारे में बताएंगे, जिन पर अमल करके आप अपने लोन लेने और चुकाने के अनुभव को किसी मुसीबत में तब्दील होने से बचा सकते हैं।

कर्ज उताना ही लें, जितना चुका सकें

आपको कर्ज हमेशा उताना ही लेना चाहिए, जितना आप आसानी से चुका सकते हैं। लोन भले ही कितनी भी आसानी से मिल रहा हो, लेकिन आखिर वो है तो कर्ज ही, जिसे आपको देर-सबेर चुकाना ही होता है। इसलिए अपनी रीपेमेंट की क्षमता से ज्यादा कर्ज लेने से बचना चाहिए। अगर आपकी आमदनी का बड़ा हिस्सा कर्ज की किस्तें (ईएमआई) चुकाने में चला जाएगा, तो आपकी सारी फाइनेंशियल प्लानिंग बिगड़ने का खतरा है। आमतौर पर माना जाता है कि आपकी होमलोन की ईएमआई आपके मंथली इनकम के 35-40 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। वहीं, कार लोन या पर्सनल लोन की ईएमआई का हिस्सा आपकी मासिक आय के 10 फीसदी से भी कम रहे तो ही बेहतर है।

जिसने लगाया पैसा उसकी हो गई बल्ले-बल्ले, इंडेक्स म्यूचुअल फंड में कर सकते हैं निवेश

पिछले साल 10 इंडेक्स फंड ने दिया मुनाफा

जानकारी बिजनेस डेस्क

साल 2023 में इंडेक्स फंड में पैसा लगाने वालों की मौज हो गई है। इस साल 10 इंडेक्स फंड ने तो छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। कुछ फंड्स का रिटर्न तो 47 फीसदी से लेकर 60 फीसदी तक रहा है। यह रिटर्न एफडी और पीएफ जैसे परंपरागत निवेश विकल्पों से कई गुना ज्यादा है। इंडेक्स फंड में जोखिम कम माना जाता है, इन्हें पेंसिव फंड भी कहा जाता है। इनमें भी निवेशक अन्य म्यूचुअल फंड की तरह एसआईपी के जरिए पैसा ला सकते हैं। इंडेक्स फंड किसी न किसी इंडेक्स को ट्रैक करते हैं। जैसे निपटी मिडकैप 50 इंडेक्स फंड, निपटी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड या निपटी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स फंड। किसी भी इंडेक्स फंड में लगाए गए पैसे, उस खास इंडेक्स में शामिल कंपनियों में ही डाले जाते हैं। इंडेक्स फंड का टोटल एक्सपेंस रेशियो एक्टिव फंड्स के मुकाबले काफी कम रहता है।

मिला शानदार रिटर्न

साल 2023 में बाजार में शानदार तेजी की वजह से इस बार म्यूचुअल फंड निवेशकों को भी अच्छा रिटर्न मिला है। इस रिपोर्ट में हम आपको उन इंडेक्स म्यूचुअल फंड्स के बारे में बताएंगे, जिन्होंने पिछले 1 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएफएमआई) की डेटा से ऐसे 10 फंड्स की तुलना है, जिनका एसेट अंडर मैनेजमेंट कम से कम 10 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

जरूरत पड़ने कर्ज लेने में कोई हर्ज नहीं होता, क्योंकि इसके बिना आपके कई बार काम रुक जाते हैं। लेकिन कर्ज कोई भी हो, उसकी ईएमआई को नियमित रूप से चुकाने पर हमेशा ध्यान देना चाहिए। कर्ज के भुगतान में लापरवाही बरतना लंबे अरसे में आपकी

जरूरत पड़ने पर कर्ज लेने में कोई हर्ज नहीं है लेकिन ऐसा करते समय कुछ बातें पल्ले बांध लें ताकि आपको आगे चलकर पछताना न पड़े

कर्ज की अवधि कम से कम रखें

कर्ज लेने का फैसला करते समय अक्सर लोग ये देखते हैं कि उसकी ईएमआई कितनी बनेगी और ऐसा करना बिलकुल सही भी है, लेकिन गलती तब हो जाती है, जब क्षमता से ज्यादा लोन लेने के चक्कर में लोग कर्ज की अवधि बढ़ाकर ईएमआई कम करने की कोशिश करते हैं, लेकिन कर्ज की रकम और ब्याज दर अगर बराबर है तो ईएमआई कम रखने के लिए लोन की अवधि बढ़ाना हमेशा समझदारी भरा फैसला नहीं होता। ऐसा करते समय यह ध्यान में रखना चाहिए कि कर्ज चुकाने में आप जितना ज्यादा वक्त लगाएंगे, ब्याज का बोझ उतना ही बढ़ता जाएगा। होम लोन जैसे कर्ज के मामले में अगर आप शुरुआत में अपनी कम इनकम के कारण ज्यादा अवधि का चुनाव कर भी लेते हैं, तो भी आगे चलकर ईएमआई बढ़ाने की कोशिश करें, ताकि लोन को कम से कम समय में चुकाया जा सके। अगर आपके कई लोन चल रहे हैं, तो सबसे पहले उस लोन को निपटाने की कोशिश करें, जिसकी ब्याज दर सबसे ज्यादा है।

शौक, फिजूलखर्ची के लिए कर्ज लेने से बचें

एक बात हमेशा याद रखें। कर्ज लेना तभी वाजिब है, जब आप किसी जरूरी काम के लिए ऐसा कर रहे हों। सिर्फ किसी महंगे शौक या फिजूलखर्ची के लिए या फिर कर्ज लेने में जरा भी समझदारी नहीं है। इसी तरह शेयर मार्केट जैसे उतार-चढ़ाव वाले निवेश के लिए कर्ज लेना भी सही नहीं है। इसके लिए तो आपको अपने एक्स्ट्रा फंड का ही इस्तेमाल करना चाहिए। लोन लेना तभी वाजिब है, जब उसका इस्तेमाल आप किसी जरूरत के लिए कर रहे हों। मिसाल के तौर पर महानगर में रहने वाले लोगों के लिए कार जरूरत की चीज हो सकती है, लेकिन अगर आपका काम किसी सामान्य कार से चल सकता है, तो क्षमता से बाहर होने पर भी सिर्फ दिखावे के लिए ज्यादा कर्ज लेकर महंगी लम्गरी कार खरीदना समझदारी भरा फैसला नहीं हो सकता।

समय पर चुकाएं लोन, वरना घेर लेगा कर्ज का 'मकड़जाल'



बेहतर ब्याज दर की तलाश जारी रखें

होम लोन जैसे लंबी अवधि के कर्ज लेकर भूल न जाएं। अगर आपको होम लोन पर काफी ऊंची ब्याज दर चुकानी पड़ रही है, तो उसे कम करवाने की कोशिश करें। खासतौर पर अगर आपके लोन लेने के बाद बाजार में ब्याज दरों में नरमी आई है, तो आपको उसका लाभ उठाने की कोशिश जरूर करनी चाहिए। इसके लिए सबसे पहले आपको अपने मौजूदा बैंक या एनबीएफसी से बात करके देखना चाहिए। अगर इससे बात न बने, तो दूसरे बैंकों से संपर्क करके लोन का बैलेंस ट्रांसफर करने पर विचार करना चाहिए। लंबी अवधि के लोन की ब्याज दर में आई थोड़ी भी कमी ब्याज के बोझ को काफी कम कर सकती है। कर्ज कोई भी हो, उसकी ईएमआई को नियमित रूप से चुकाने पर हमेशा ध्यान देना चाहिए। कर्ज के भुगतान में लापरवाही बरतना लंबे अरसे में आपकी फाइनेंशियल हेल्थ के लिए बेहद नुकसानदेह हो सकता है, क्योंकि ऐसा करने पर आपको जुमाने के तौर पर एक्स्ट्रा पेमेंट करना पड़ सकता है या ज्यादा ब्याज देना पड़ सकता है। इससे आपका क्रेडिट प्रोफाइल और सिबिल स्कोर भी बिगड़ जाता है, जिसके कारण आपको आगे चलकर और भी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

भारत में भी म्यूचुअल फंड अब लोकप्रिय हो रहे हैं। म्यूचुअल फंड की कई कैटेगरी, दे रही मुनाफा। अच्छा रिटर्न भी निवेशकों को खूब लुभा रहा। कुछ फंड्स का रिटर्न तो 47 से 60% तक रहा। इंडेक्स को पेंसिव फंड के नाम से भी जाना जाता है।



इन फंड्स ने की धनवर्षा

- पहला** मोतीलाल ओसवाल एएसएफपी बीएसएड इनहाउंड वैल्यू इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान में निवेश करने वाले निवेशकों को 60.13 फीसदी और डायरेक्ट प्लान में 61.21 फीसदी रिटर्न मिला है।
- तीसरा** मोतीलाल ओसवाल एएसएफपी बीएसएड इनहाउंड वैल्यू इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान में निवेश करने वाले निवेशकों को 60.13 फीसदी और डायरेक्ट प्लान में 61.21 फीसदी रिटर्न मिला है।
- दूसरा** एक्सिस निपटी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स फंड का दूसरा नंबर है। इस फंड के रेगुलर प्लान में 60.25 फीसदी फंड का एक साल का रिटर्न 56.47% (रेगुलर), 57.25% (डायरेक्ट) रहा है।
- चौथा** आईसीआईसीआई पुरेशियल नेस्टेड 100 इंडेक्स फंड का एक साल का रिटर्न 56.47% (रेगुलर), 57.25% (डायरेक्ट) रहा है।

पांचवां

एडलवाइज निपटी मिडकैप 150 मोमेंटम 50 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान का 1 साल का रिटर्न 50.99 फीसदी और डायरेक्ट प्लान का रिटर्न 52.08% रहा है।

छठा

टाटा निपटी मिडकैप फंड 150 मोमेंटम 50 इंडेक्स फंड का सालाना रिटर्न 49.29 फीसदी और डायरेक्ट प्लान का 50.48 फीसदी रहा है।

सातवां

एक्सिस निपटी मिडकैप 50 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान ने साल में 47.95% व डायरेक्ट प्लान ने 49.06% रिटर्न दिया है।

आठवां

मोतीलाल ओसवाल निपटी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान का रिटर्न 47.15 फीसदी तो डायरेक्ट प्लान का 48.17 फीसदी रहा।

नौवां

एसबीआई निपटी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान का रिटर्न 47.17 फीसदी तो डायरेक्ट का 48.06 फीसदी रहा है।

दसवां

निपॉन इंडिया निपटी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड ने भी निवेशकों को एक साल में बंपर मुनाफा दिया है। इसके रेगुलर प्लान का साल का रिटर्न 46.94% और डायरेक्ट प्लान का रिटर्न 47.92 फीसदी रहा है।



शेयर बाजार में फिर गिरावट का दौर, ऐसे में क्या करें निवेशक

बिजनेस डेस्क

नए साल में शेयर बाजार में निवेशक गिरावट ही देख रहे हैं। बाजार कल गिरावट के साथ बंद हुआ था। मुख्य रूप से बैंक और आईटी शेयरों में मुनाफावसूली और विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकालने से बाजार नुकसान में रहा था। कल तीस शेयरों पर आधारित सेसेक्स 379.46 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,892.48 अंक पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान एक समय यह 658.2 अंक तक लुढ़क गया था। ऐसे में अधिकतर नए और रूढ़िवादी निवेशक 100% स्टॉक मार्केट एक्सपोजर से जुड़े जोखिमों, जैसे अनस्टेबिलिटी और डायवर्सिफिकेशन की कमी के बारे में चिंता करते हैं। इसलिए, ऐसे निवेशकों के लिए एक आदर्श विकल्प हाइब्रिड इन्वेस्टमेंट सोल्यूशन तलाशना होता है।

क्या होता है हाइब्रिड म्यूचुअल फंड

आकामक हाइब्रिड म्यूचुअल फंड में इक्विटी और डेट का मिश्रण होता है। इसी वजह से यह निवेशकों की पूंजी में बढ़ोतरी तो करता ही है, उसे सुरक्षा का संतुलन भी प्रदान करता है। गोल्ड फाइनेंशियल के पार्टनर दीपक महाडिक का कहना है कि हाइब्रिड म्यूचुअल फंड निवेशकों को सर्वश्रेष्ठ प्रदान करते हैं। निवेश की दुनिया में यह जीत का समीकरण हाइब्रिड निवेश के रूप में सामने आता है। आकामक हाइब्रिड फंडों का अन्वेषण प्रस्ताव यह है कि वे निवेश को दो परिस्ति-तियों - इक्विटी और डेट में फैलते हैं। ये फंड 65-80% तक इक्विटी में निवेश करते हैं, जिससे उच्च विकास के पर्याप्त अवसर मिलते हैं। इसके विपरीत, इक्विटी सेगमेंट में अत्यधिक अस्थिरता या कम प्रदर्शन की अवधि के दौरान डेट घटक एक कुशल के रूप में कार्य करता है।

रिस्क फैक्टर कितना

आकामक हाइब्रिड फंड मध्यम जोखिम क्षमता वाले निवेशकों की जरूरतों को पूरा करते हैं और विकास और स्थिरता के बीच संतुलन बनाते हैं। महाडिक के मुताबिक, इक्विटी और त्रुण संतुलन घटकों को शामिल करने से जोखिम और अस्थिरता को प्रभावी ढंग से कम किया जा सकता है, जो कि इक्विटी फंडों में अनुपस्थित है। यह विविध बृद्धिकोण उच्च रिटर्न की संभावना को बनाए रखते हुए एक स्थिर निवेश वातावरण प्रदान करके निवेशकों के विश्वास को बढ़ाता है, जिससे आकामक हाइब्रिड फंड अपने निवेश पोर्टफोलियो में माप जोखिम जोखिम चाहने वालों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन जाते हैं।

इस समय क्यों हो रही है इसकी चर्चा

आकामक हाइब्रिड फंड आज विशेष रूप से प्रासंगिक हैं। ऐसे समय में जब शेयर बाजार का म्यूचुअल विशेष रूप से सुरक्षा नहीं होता है। आकामक हाइब्रिड फंडों में पोर्टफोलियो पुनर्संतुलन में पूर्ण विचारित सीमा के भीतर परिष्कृत आक्टिव को पुनः व्यवस्थित करना शामिल है। आंकड़े बताते हैं कि एक दिसंबर, 2023 तक, आकामक हाइब्रिड फंड श्रेणी ने 13.7% (1 वर्ष में), 16.2% (3 वर्ष), 13.1% (5 वर्ष), और 13.8% (10 वर्ष में) का औसत रिटर्न दिया है। इस श्रेणी में हर समय-सीमा में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वालों में से एक आईसीआईसीआई पुरेशियल इक्विटी और डेट फंड रहा है।

निवेशकों को लंबी अवधि के निवेश पर फोकस करना होगा, लक्ष्य लेकर चलेंगे तो निवेश के लिए कई बढ़िया ऑप्शन

सिक्थोर रिटायरमेंट का लें मंत्र, 3 जगहों पर बड़े काम का निवेश

बिजनेस डेस्क

नया साल उत्साह और उमंग के साथ कई अच्छी खबरें लेकर आता है। यह समय फाइनेंशियल प्लानिंग के लिए भी बढ़िया होता है। अभी अगर आप अपने 30-40 की उम्र में हैं तो आपको रिटायरमेंट प्लानिंग कर लेनी चाहिए। बहुत से सैलरीड प्रोफेशनल्स अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग में रिटायरमेंट प्लानिंग को टारगेट पर रखकर नहीं चलते, लेकिन इस साल आप ये एक चीज तो फिक्स कर सकते हैं। अगर आप लंबी अवधि के निवेश और अपने रिटायरमेंट फंड की स्ट्रेटजी लेकर चलें तो निवेश के लिए कई बढ़िया ऑप्शन हैं। इन ऑप्शन में आपको बेहतर रिटर्न देखने को मिल सकते हैं। वॉलेंटरी प्रोविडेंट फंड (वीपीएफ), क्विटी लिंकड सॉविस स्कीम (ईएलएसएस) या पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) में निवेश अच्छा मुनाफा दिला सकता है।

- 15 साल में इतना रिटर्न मिल जाएगा, बुढ़ापा आराम से कटेगा
- वीपीएफ, ईएलएसएस और पीपीएफ दे सकते हैं अच्छा मुनाफा
- ये आराम धारा 80 सी के तहत टैक्स बचाने में भी आते हैं काम

वॉलेंटरी प्रोविडेंट फंड

रिटायरमेंट के लिए वीपीएफ में निवेश एक बेहतर विकल्प हो सकता है। वीपीएफ में बैचिक सेलरी का सिर्फ 12 फीसदी ही कॉन्ट्रीब्यूट किया जा सकता है, लेकिन, वीपीएफ में निवेश करने की कोई सीमा नहीं होती। मतलब अगर कर्मचारी अपनी इन-हैंड सेलरी को कम रखकर भविष्य निधि में योगदान बढ़ाता है तो इस विकल्प को वीपीएफ कहते हैं। वीपीएफ में भी वीपीएफ के समान 8.15 फीसदी ब्याज दिया जा रहा है। ये स्कीम वीपीएफ का ही एक्सटेंशन है। इसे सिर्फ नौकरीपेशा जोड़ सकते हैं। बैचिक सेलरी और डीए का 100 फीसदी इसमें निवेश किया जा सकता है।

वीपीएफ के लिए क्या करें?

आपको अपनी कंपनी के एचआर या फाइनेंस टीम से संपर्क करना होगा। वीपीएफ में कॉन्ट्रीब्यूशन की रिक्वेस्ट करनी होगी। प्रोसेस होते ही आपके वीपीएफ अकाउंट से वीपीएफ को जोड़ दिया जाएगा। वीपीएफ का अलग से कोई अकाउंट ओपन नहीं होता। वीपीएफ के योगदान को हर साल संशोधित किया जा सकता है। हालांकि, वीपीएफ में निवेश को लेकर एम्प्लॉयर बाध्य नहीं है। कर्मचारी सिर्फ अपना योगदान ही बढ़ा सकता है। अगर आप जाँच करें तो इस अकाउंट को आपसली से ट्रांसफर कर सकते हैं। इस पर लोन भी मिलता है। बच्चों के एजुकेशन, होम लोन, बच्चों की शादी के लिए भी इससे लोन लिया जा सकता है। वीपीएफ खाते से रकम की आंशिक निकाली के लिए खाताधारक का 5 साल नौकरी करना जरूरी है। अगर 5 साल से कम है तो टैक्स करता है। वीपीएफ की पूरी रकम केवल रिटायरमेंट पर ही निकाली जा सकती है। वीपीएफ पर आयकर कानून के संशोधन 80सी के तहत टैक्स डिडक्शन का फायदा मिलता है। निवेश, ब्याज और मैच्योरिटी (ईईई) पर मिलने वाला पैसा पूरी तरह टैक्स फ्री है। ये स्कीम रिटायरमेंट के लिए काफी बढ़िया है।

इक्विटी लिंकड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस)

देश में 42 म्यूचुअल फंड कंपनियाँ टैक्स सेविंग स्कीम चलाती हैं। हर कंपनी के पास इनकम टैक्स बचाने के लिए इक्विटी लिंकड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस) है। इसे ऑनलाइन या किसी एजेंट से खरीदा जा सकता है। इनकम टैक्स बचाने के लिए एक टाइम इन्वेस्टमेंट लिमिटेड ब्यूतलम 5 हजार रुपये है और हर महीने निवेश करना है तो ब्यूतलम 500 रुपये महीने का निवेश शुरू कर सकते हैं। इसमें 1.5 लाख रुपये की अधिकतम टैक्स छूट ली जा सकती है, लेकिन अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है।

ब्याज नहीं, मार्केट लिंकड रिटर्न

स्कीम में 3 साल के लिए लॉक-इन रहता है। बाद में निवेशक चाहे तो पैसा निकाल सकता है। 3 साल के बाद चाहे तो पूरा निकाला जा सकता है। आंशिक निकाली का भी ऑप्शन होता है। बाकी पैसा आप जब तक चाहे स्कीम में पड़ा रहने दे सकते हैं। ईएलएसएस की खास बात है कि इसमें निवेश पर ब्याज की जगह मार्केट लिंकड रिटर्न मिलता है।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) इस स्कीम को बैंक या पोस्ट ऑफिस में कहीं भी खोला जा सकता है। किसी भी बैंक या पोस्ट ऑफिस में ट्रांसफर भी किया जा सकता है। इसे खोलने के लिए सिर्फ 500 रुपये काफी हैं। हर साल 500 रुपये एक बार में जमा करना जरूरी है। अकाउंट में हर साल अधिकतम 1.5 लाख रुपये जमा किए जा सकते हैं। यह स्कीम 15 साल के लिए है, जिससे बीच में पैसा नहीं निकाला जा सकता है, लेकिन, इसे 15 साल के बाद 5-5 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है।

खबर संक्षेप

अनाज मंडी में रवतदान कैप का आयोजन आज

गोहाना। मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में रविवार को आदित्यों द्वारा नई अनाज मंडी में दुकान नंबर 123 से 128 के आगे रवतदान शिविर और भंडारा आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में रक्त के संकलन के लिए सोनीपत से रोटेरी ब्लड बैंक की टीम पहुंचेगी।

सनातन धर्म मंदिर में फ्री हेल्थ जांच कैप कल

गोहाना। मेन बाजार स्थित सनातन धर्म मंदिर में 15 जनवरी को सुबह 10 बजे से दोपहर बाद 2 बजे तक फ्री हेल्थ चेकअप कैप लगेगा। यह कैप पंजाबी सेवा समिति और स्वामी गुरु चरण दास सनातन धर्म समिति द्वारा आयोजित किया जाएगा। इस कैप में अपनी सेवाएं रोहताक के पोर्जीटॉन सुपर स्पेशलिटी एवं कैंसर अस्पताल की टीम द्वारा दी जाएंगी। शिविर में रोगियों को दवाइयां भी मुफ्त में प्रदान की जाएंगी।

हत्या प्रयास की घटना में शामिल आरोपित दबोचे

गोहाना। सदर थाना गोहाना की पुलिस ने हत्या के प्रयास की घटना में आरोपित गांव सरगथल के राजबर व प्रवीन के गिरफ्तार किया। न्यायालय के आदेश पर उनको न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गांव सरगथल की विनोद देवी ने 10 जनवरी को पुलिस को शिकायत दी थी कि वह अपने पशुबाड़े में गई थीं और वहां उसका बेटा मंजीत वहीं था। इसी समय प्रवीण, राजबीर, यशपाल, ज्योति, सुनीता, समीरा व नवीन ने उन पर लाठी व नुकीले हथियार से हमला कर दिया था। जांच अधिकारी उप निरीक्षक सुभाष ने पुलिस की टीम के साथ आरोपित राजबीर व प्रवीन को गिरफ्तार किया।

अवैध हथियार सहित एक आरोपित पकड़ा

झज्जर। पुलिस की एक टीम द्वारा अवैध हथियार देशी पिस्तौल सहित एक आरोपी को पकड़ा गया है। सीआईए प्रभारी सोमबीर ने बताया कि पुलिस टीम ने एक युवक को राशलाआला चौक से पकड़ा गया। पकड़े गए युवक की मौके पर तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से एक देशी पिस्तौल बरामद हुआ। आरोपी की पहचान रोहित निवासी शास्त्री नगर लाडानगर बहादुरगढ़ के तौर पर की गई है। आरोपी के खिलाफ नियमानुसार मामला दर्ज करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपी को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

उपायुक्त से मिलने पहुंचे गांव नाहरा के किसान, नहीं निकला कोई नतीजा

गांव नाहरा के खेतों में पावर ग्रिड की लाइन बिछाने का विरोध कर रहे ग्रामीणों ने किसान नेताओं व सरपंच के नेतृत्व में उपायुक्त से मुलाकात की। हालांकि उनके बीच हुई बातचीत में कोई नतीजा नहीं निकल सका। किसान नेताओं का कहना है कि पहली बार मामले में डीआरओ को नोडल अधिकारी बनाया गया है। अब किसान उनके कार्यालय में बैठने वाले कंपनी के अधिकारी के पास अपने बैंक खाते व कागजात दे सकेंगे। साथ ही उपायुक्त उनकी फाइल पर सोमवार से सुनवाई करेंगे। वहीं बाद में गांव नाहरा में दहिया चौबीसा की महापंचायत में

हरिभूमि न्यूज सोनीपत



सोनीपत। लघु सचिवालय पहुंचे किसान नेता एवं ग्रामीण।

राई व खरखोदा ब्लाक के 20 से 25 सरपंचों सहित, दहिया अठगामा व अन्य खापों के साथ ही किसानों की यूनियन, आम आदमी पार्टी ने भी समर्थन दिया। गांव नाहरा में किसानों का धरना चार दिन से जारी है। किसान पावर ग्रिड की लाइन को बिना मुआवजा दिए लगाए जाने पर विरोध कर रहे हैं। वह मार्केट रेट पर मुआवजा मांग रहे हैं। शुक्रवार को

धरने पर दहिया चौबीसा की महापंचायत

नाहरा गांव में धरना लगाता जारी है। वहां पर शनिवार को दहिया चौबीसा की महापंचायत बुलाई गई। जिसमें प्रधान उमेश दहिया ने दो टुक कट दिया कि किसानों का हक उन्हें दिलाया जाएगा। किसानों के साथ खड़े हैं। अब सोमवार से उपायुक्त उनकी अपील पर सुनवाई करेंगे। किसानों को नरेला कंपनी कार्यालय में जाने को कहा जा रहा था, अब ऐसा नहीं होगा। कंपनी वालों ने कोई कार्यालय ही नहीं बना रखा है। वह टकराव नहीं चाहते और अपनी जायज मांगों की लड़ाई लड़ रहे हैं।

उपायुक्त से राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र हुड्डा की बातचीत होने के बाद किसानों को शनिवार को उपायुक्त ने बातचीत के लिए बुलाया था। जिस पर किसान शनिवार सुबह गांव नाहरा के सरपंच एवं दहिया चौबीसा के प्रधान अधिवक्ता उमेश

किसानों को मिल रहा समर्थन

किसानों के धरने पर लगातार समर्थन मिल रहा है। प्रधान उमेश दहिया ने बताया कि किसानों को समर्थन देने के लिए करीब 25 गांवों के सरपंच, किसान युनियनों के नेता, खापों के प्रतिनिधि पहुंच रहे हैं। किसानों के बीच श्रद्धांजलि सौदा, राम प्रकाश, सतेंद्र लोहचव, अठगांव प्रधान विनोद गोपालपुर, रवि आजाद, जलजंत सिंह के साथ ही आम आदमी पार्टी के लोकसभा प्रभारी देवेन्द्र गौतम, मास्टर सतनारायण आतिल, सिद्धार्थ रोहिल्ला, अजय टॉक, धर्मापाल आदि भी समर्थन दिया।

निकला है। उन्होंने कहा कि किसानों का धरना जारी रहेगा। डॉ.शमशेर ने बताया कि लोकहित में बातचीत जरूरी थी। बातचीत में पहली बार मामले में नोडल अधिकारी नियुक्त करने के साथ मुआवजा के लिए कागजात जमा कराने का रास्ता

टीकाराम शिक्षा महाविद्यालय में हर्ष के साथ मनाया पर्व, तिल, मूंगफली की दी आहुति

छात्रों ने ढोल की थाप पर अग्नि के चारों ओर परिक्रमा कर लोहड़ी का पर्व मनाया

कार्यक्रम में नमन, रेनू, पवन व अन्य विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी

हरिभूमि न्यूज सोनीपत

सामाजिक मेलजोल, भाईचारे की भावना व त्योहारों के महत्व से अवगत कराया



सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य एवं अन्य कॉलेज स्टाफ।

शनिवार 13 जनवरी को टीकाराम शिक्षा महाविद्यालय में लोहड़ी पर्व मनाया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र सिंह राणा ने अग्नि प्रज्वलित कर तिल, मूंगफली, रेवड़ी, मक्के की आहुति देकर कार्यक्रम की शुरुआत की। प्राचार्य महोदय ने इस आयोजन पर विद्यार्थियों को सामाजिक मेलजोल, भाईचारे की भावना व त्योहारों के महत्व के विषय में अवगत कराया। रुचिका देशवाल, छवि व लक्ष्य ने मंच का संचालन किया और विद्यार्थियों ने ढोल की थाप पर अग्नि के चारों ओर परिक्रमा कर लोहड़ी पर्व मनाया। कार्यक्रम में नमन, रेनू, पवन व अन्य विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। यह कार्यक्रम कल्चर कमेटी द्वारा आयोजित कराया गया। इस समारोह में डॉ. इंदु राठी व डॉ. बलबीर सिंह व सभी शैक्षिक एवं गैर शैक्षिक स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

हरिभूमि न्यूज गोहाना

राजकीय महिला कॉलेज में एनएसएस स्वयंसेविकाओं द्वारा लोहड़ी का त्योहार मनाया गया। स्वयंसेविकाओं ने सर्दी से बचाव के लिए आग जलाई और मूंगफली व तिलहन का प्रसाद बांटा। कार्यक्रम के लिए मार्गदर्शन कॉलेज के प्राचार्य सतीश कुमार का रहा और संयोजन कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. एकता वशिष्ठ का रहा। डॉ. वशिष्ठ ने कहा कि लोहड़ी के समय सबसे अधिक ठंड पड़ती



गोहाना। लोहड़ी के दिन आग जलाते स्वयंसेविकाएं।

है। इसीलिए इस त्योहार के दिन आग जलाने का चलन है। आग में मूंगफली, तिल और मक्का से बनी चीजों को अर्पित किया जाता है और प्रसाद वितरित किया जाता है। इन खाद्य पदार्थों के सेवन से शरीर में लौह तत्व और कैल्शियम जैसे आवश्यक तत्वों की पूर्ति होती है।

425 जरूरतमंदों को कंबल वितरित

गन्नीर। मकर संक्रांति के उपलक्ष्य पर श्री महाकाली माता मंदिर धर्माध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र सिंह द्वारा जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए गए। हरपाल त्यागी, राजेश पांचाल, अनुराग शरवत, विनोद त्यागी काला ने महंत मंशा पूरी महाराज के सानिध्य में 425 जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण किया। मंशापूर्वी जी महाराज ने कहा कि ट्रस्ट हर वर्ष मकर संक्रांति के अवसर पर कंबल व लूट वितरण करती है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों को सेवा करने से बड़ा कोई धर्मार्थ नहीं होता। संपन्न लोगों को अपनी नेक कमाई का कुछ हिस्सा जरूरतमंद लोगों की सहायता में लगाना चाहिए। उन्होंने कंबल वितरण में सहयोग करने वाले सभी दानियों को आशीर्वाद स्वरूप स्मृति विहन भेंट कर सम्मानित किया।

हिन्दू कॉलेज में मनाया लोहड़ी का पर्व

सोनीपत। हिन्दू कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग के प्राणों में शनिवार को लोहड़ी एवं मकर संक्रांति का पर्व हर्षरत्नलास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. नवीन कुमार मलिक, प्राचार्य के संबोधन से हुई। डॉ. मलिक ने कहा कि आग की लपटों के साथ यह त्योहार न सिर्फ सर्दी को मनाता है बल्कि खुशियों और उम्मीदों की रोशनी भी फैलाता है। इस मौके पर परम्परा के अनुसार आग में रेवड़ी, मूंगफली और गुड़ की आहुति दी गयी। इस अवसर पर डॉ. किरण बारंग, डॉ. प्रीति मल्होत्रा, डॉ. पुनीत पाहुजा, डॉ. अश्विनी शीमान, अजय कुमार रॉय, विराग रोहिल्ला, राजीव त्यागी आदि मौजूद रहे।

शिविर में छात्राओं को सिखाई स्किल डेवलेपमेंट की बारीकियां

हरिभूमि न्यूज खरखोदा

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक सिसाना में चल रहे पांच दिवसीय स्किल डेवलेपमेंट शिविर का शनिवार को समापन हो गया। प्राचार्या डॉ. अनीता श्योराण ने बताया कि शिविर में नौवीं से कक्षा 12वीं तक की 50 छात्राओं ने हिस्सा लिया। जिसमें छात्राओं को वोकेेशनल कोर्सों के साथ साथ 12वीं कक्षा के बाद करियर में कौन कौन सी संभावनाएं हैं, इसकी जानकारी दी। ऑर्गेनिक फार्मिंग के बारे में भी बताया गया। सिसाना बैंक से आए अधिकारी संदीप ने ई-



रिक्ल डेवलेपमेंट कैप में छात्राओं को जानकारी देते अधिकारी व शिक्षक।

बैंकिंग कार्यों व भविष्य में बैंकिंग के स्कॉप, फ्राड से बचने व हैकिंग के बारे में समझाया और ओटीपी के महत्व एवं इसकी गोपनीयता के बारे में बताया। ड्राइंग अध्यापिका ज्योति ने छात्राओं को जैम व जैली, दीप,



सोनीपत। युवाओं के साथ भाजपा नेता तरुण देवीदास।

राजनीति में बड़ चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया

सोनीपत। भाजपा जिला प्रवक्ता तरुण देवीदास ने युवाओं को राजनीति में बड़ चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा युवा किसी भी देश और समाज में बदलाव के मुख्य वाहक होते हैं। इतिहास बताता है कि आज तक दुनिया में जितने भी क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं, वाहे वे सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक रहे हों, उनके मुख्य आश्रय युवा ही रहे हैं। तरुण देवीदास आज अपने कार्यालय पर युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा भारत में भी युवाओं का एक समुद्रियाली इतिहास है। प्राचीनकाल में आदिगुरु शंकराचार्य से लेकर गौतम बुद्ध और महावीर स्वामी ने अपनी युवावस्था में ही धर्म एवं समाज सुधार का बीड़ा उठाया था। स्वामी विवेकानंद जी कहते थे कि हमारे युवाओं को आगे आकर राष्ट्र का मानवविधाता बनना चाहिए। इसलिए ये आपको जिम्मेदारी है कि भारत के भविष्य का नेतृत्व करें और आपको ये जिम्मेदारी देश की राजनीति को लेकर भी है। क्योंकि राजनीति देश में सार्थक बदलाव लाने का एक सशक्त माध्यम है। अवसर पर हेमंत नानद, लोकेश, महेश, अनिल को मुख्य उपस्थिति रही।

भाषण प्रतियोगिता में विनीत प्रथम



सोनीपत। राम कृष्ण परमहंस संस्था द्वारा स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस अर्थात् राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर सोनीपत के जीवीएम कॉलेज में आयोजित भाषण प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया था। जिसका विषय स्वामी विवेकानंद के जीवन की वर्तमान प्रासंगिकता रहा। जिसमें भाग लेते हुए छोट्टराम आर्य कॉलेज सोनीपत के बीच तृतीय वर्ष के विद्यार्थी विनीत कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिसका कालेज पहुंचने पर प्राचार्य डॉ. नरेंद्र सिंह द्वारा स्वागत किया गया।

रजवाहे पर पानी संभालने आए ग्रामीण को पीटा

गोहाना। गांव जसराना से गोरड़ के बीच में रजवाहे पर नहरी का पानी संभालने आए एक ग्रामीण को दो लोगों ने पीट दिया। राहगीर ने बीच बचाव करवाया तो आरोपित भाग गए। सदर थाना गोहाना में मामला दर्ज किया गया। गांव गोरड़ के सोनू ने पुलिस को बताया कि वह बाइक लेकर जसराना गांव के पास रजवाहे में पानी को संभालने आया था। रजवाहे की दूसरी पट्टी पर दो लोग बैठकर शराब पी रहे थे। उन्होंने इशारा करके अपने पास बुलाया और पूछा यहां क्या करने आया है। इसके बाद दोनों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान उसका मोबाइल भी गुम हो गया। राहगीर ने बचाव किया तो दोनों लोग वहां से चले गए। उसने नागरिक अस्पताल गोहाना पहुंचकर उपचार कराया।

गांव नूरनखेड़ा में क्रिकेट और पिनाना में हॉकी मैच का आयोजन

पुलिसकर्मियों-ग्रामीण युवाओं ने दिखाया दम

पुलिस अधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों ने ग्रामीण युवाओं को गांव से नशे को उखाड़ फेंकने का सामूहिक संकल्प दिलाया

हरिभूमि न्यूज गोहाना

नशा मुक्त अभियान के तहत शनिवार को गांव नूरनखेड़ा में युवा क्लब खेल ग्राउंड में ओपन क्रिकेट मैच और गांव पिनाना में हॉकी मैच करवाया गया। पुलिस कर्मचारियों और गांवों के युवाओं ने मिलकर मैच खेलते हुए अपनी प्रतिभा का दम दिखाया। पुलिस उपायुक्त भारतीय डबास के मार्गदर्शन में क्षेत्र में नशा मुक्त भारत, नशा मुक्त हरियाणा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को जनोदोलन का रूप देने के



गोहाना। खिलाड़ियों से परिचय करते पुलिस अधिकारी।

लिए पुलिस द्वारा गांवों में खेल प्रतियोगिताएं करवाई जा रही हैं। इसी क्रम में शनिवार को गांव नूरनखेड़ा में ग्राम प्रहरी एएसआई संदीप कुमार और गांव पिनाना में ग्राम प्रहरी महिला सिपाही स्कन्दा अपनी पुलिस टीम के साथ पहुंचे। इस दौरान बरोदा थाना प्रबंधक ओमप्रकाश, बुटाना चौकी प्रभारी नीरज, पंचायत समिति सदस्य नरेंद्र सांगवान, गांव के पूर्व सरपंच रामचंद्र, युवा क्लब के अध्यक्ष विजय, सचिव धीरज कुमार, अम्याथर अनिल कुमार और स्कोरर शुभम सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों ने ग्रामीण युवाओं को गांव से नशे को उखाड़ फेंकने का सामूहिक संकल्प दिलाया।

खबर संक्षेप



स्लोगन लेखन में कुसुम लता रही प्रथम

खरखौदा। कन्या महाविद्यालय की बीए तृतीय वर्ष की छात्रा कुसुम लता ने छोटे राम आर्य कॉलेज सोनीपत में आयोजित स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। महाविद्यालय पहुंचने पर प्राचार्या डॉ. दर्शना देहिया ने छात्रा कुसुम लता और इंचाज डॉ. प्रमिला को बधाई दी।

शिविर में 457 लोगों ने करवाई नेत्र जांच

राई। गांव मुखल में राजकुमार शर्मा फाउंडेशन के संस्थापक प्रतीक राजकुमार शर्मा व दृष्टि सेवा समिति द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 457 लोगों की जांच हुई, जिसमें से 68 लोगों को मोतियाबिंद पाया गया। संस्था द्वारा दिल्ली में उनका निःशुल्क ऑपरेशन करवाया जाएगा।

दुकान से हजारों रुपये की राशि चोरी

सोनीपत। बहालगढ़ थाना क्षेत्र के बहालगढ़ चौक पर स्थित मिठाई की दुकान का शटर उखाड़कर हजारों रुपये की राशि के चोरी करने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में दुकानदार दीपक कुमार ने बताया कि उसने चौक पर श्री मुरलीवाला के नाम से मिठाई की दुकान कर रखी है। चोरों ने दुकान से 40 हजार रुपये की राशि गायब कर दी।

दुकान की छत उखाड़ कर नकदी चुराया

गन्नौर। पुलिस को दी शिकायत में गढ़ी केसरी के धर्मदेव ने बताया कि उसकी जीटी रोड गन्नौर चौक पर त्यागी कम्प्यूटेशन से शुरूवार की रात चोरी हो गई। दुकान से 3 हजार रुपये की नकदी, 10 हजार रुपये की रेट बुल की पेटी, मोबाइल का सामान, व अन्य सामान चोरी हुआ।

बिलब देब ने राई के नांगल खुर्द गांव में लिया संकल्प यात्रा में हिस्सा

विकसित भारत बनाने में हर नागरिक अपनी भूमिका तय करें : बिलब देब

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ राई

त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री, हरियाणा के प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद बिलब देब ने शनिवार को राई विधानसभा के गांव नांगल खुर्द में विकसित भारत संकल्प यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि देश के हर नागरिक को विकसित भारत बनाने में अपनी भूमिका तय करनी है। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी गाड़ी से आम जनमानस को जनकल्याण की गारंटी मिल रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ऐसी पहली सरकार है जो घर-घर जाकर लोगों की मांगों को पूर्ण करते हुए उनकी समस्याओं का समाधान कर रही है। बिलब देब ने कहा कि मोदी की गारंटी गाड़ी को गांव-गांव और नगर-नगर का दौरा करते हुए 52 दिनों से अधिक समय



राई। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री, हरियाणा के प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद बिलब देब संकल्प यात्रा में संबोधित करते हुए।
फोटो : हरिभूमि

व्यतीत हो चुका है। अब लोगों को गारंटी की गाड़ी की प्रतीक्षा रहने लगी है, जिससे उनकी समस्याओं का निदान मौके पर ही मिलता है। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल बघाई के

पात्र हैं। इससे पहले सांसद रमेश कौशिक ने हरियाणा प्रभारी बिलब देब का अभिनंदन करते हुए उनके नॉर्थ-ईस्ट में संगठन की मजबूती के प्रयासों की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने यात्रा जनसंवाद कार्यक्रम के

पेंशन लाभार्थियों को कार्ड वितरित

विकसित भारत संकल्प यात्रा जनसंवाद कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री बिलब देब ने आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों राहुल, रतन सिंह, नोफे सिंह, अजय व अतरी को कार्ड वितरित किए। साथ ही उन्होंने पेंशन के लाभार्थियों को बीरमती, महाबीर, सुशीला देवी, सुरेश कुमार को भी पेंशन कार्ड प्रदान किए। इनमें ऐसे लाभार्थी शामिल रहे जिन्हें घर बैठे-बैठे खिठारे योजनाओं का लाभ मिला। उन्होंने सीधा संवाद करते हुए उनकी बातचीत लोगों से करवाई कि उन्हें किस प्रकार से योजनाओं का फायदा मिला। कार्यक्रम के दौरान भाजपा के हरियाणा प्रभारी बिलब देब ने विभागीय स्टॉलों का गंभीरता से निरीक्षण किया।

लिए भी केंद्र व प्रदेश सरकार को बधाई दी, जिसके माध्यम से गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। इस दौरान राई हलका विधायक एवं भाजपा के प्रदेश महामंत्री मोहनलाल बड़ौली ने भी प्रदेश प्रभारी बिलब देब का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यात्रा के माध्यम से केंद्र व प्रदेश सरकार के साढ़े नौ वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। साथ ही लोगों की मांगों को पूर्ण कर समस्याओं का निपटारा किया जा रहा है। इस मौके पर गन्नौर की विधायक निर्मल चौधरी, जिला परिषद की चेयरपर्सन मोनिका देहिया, भाजपा के जिलाध्यक्ष जसवीर दोदवा, सुमित्रा चौहान, पूर्व विधायक अनिल ठक्कर, मीना नरवाल, उमेश शर्मा, आजाद सिंह नेहर, रविंद्र दिलावर, नंदकिशोर चौहान, निशांत छौकर, माईराम कौशिक, नरेंद्र आदि मौजूद रहे।

सांसद ने नागरिकों को दिलाई हमारा संकल्प विकसित भारत की शपथ



गन्नौर। यात्रा के दौरान गोदभराई के तहत महिलाओं को फल देते सांसद व विधायक।
फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ गन्नौर

2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में ह्यविकसित भारत संकल्प यात्रा जिला में जनकल्याण व जनसेवा को समर्पित होकर आगे बढ़ रही है। इसी कड़ी में शनिवार को शहरी क्षेत्र के पात्र लाभार्थियों को उनके घर द्वार पर योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए शहरी क्षेत्र में विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरुआत हुई। पाषंड शिवानी जैन ने अतिथियों का बूके देकर स्वागत किया। संकल्प यात्रा के तहत सांसद रमेश कौशिक ने बतौर मुख्यातिथि गन्नौर स्थित पुरानी अनाज मण्डी व गांव हसनपुर में आयोजित

जनसंवाद कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए लाभार्थियों से सीधा संवाद किया। सांसद ने कहा कि सरकार द्वारा समाज के सबसे कमजोर और हाशिए पर रहने वाले वर्गों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए पिछले लगभग 10 वर्षों में शुरू की गई उज्वला योजना सहित अन्य प्रमुख योजनाओं को शत-प्रतिशत अंतिम छोर तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। विधायक निर्मल चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार व हरियाणा सरकार का वादा है अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का फायदा पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अथक प्रयासों से भारत आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनने की ओर अग्रसर है।

विवेकानंद हमारे के लिए प्रेरणादायक



वीपीएस महिला विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता और युवा कल्याण विभाग के छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ गोहाणा

वीपीएस महिला विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता और युवा कल्याण विभाग द्वारा स्वामी विवेकानंद की 161वीं जयंती पर जागरूकता रैली निकाली गई। कुलपति प्रो. सुदेश ने छात्राओं को युवा शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि बेटियों में असीम ऊर्जा और शक्ति है। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन बहुत ही प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि



गन्नौर। रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश व कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक।
फोटो : हरिभूमि

भारत अपनी विकास यात्रा पर है, इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। छात्राओं का प्राथमिक दायित्व शिक्षा ग्रहण करना है तो बहुत ईमानदारी और लगन से शिक्षा ग्रहण करें। कुलपति ने आह्वान किया कि अपने संस्थान को सजगता से देखें, यह हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है। लोकर की नैतिक जिम्मेदारी है।

प्रतिभा का उपयोग राष्ट्र के विकास से लिए करें। अपने अच्छे मन, अच्छे वचन और अच्छे कर्म से राष्ट्र की सेवा करें। अपने परिवार, समाज, प्रदेश और देश का नाम रोशन करें। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. नीलम मलिक, प्रो. श्वेता हुड्डा, डॉ. सुमन दलाल, डॉ. सुपमा जोशी और डॉ. इशानी आदि भी मौजूद रहे।

विकसित राष्ट्र की ओर तेजी से बढ़ रहा भारत : सुशीला



गोहाणा। लाभार्थियों को गैस चूल्हे देते हुए अतिथि।
फोटो : हरिभूमि

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर विकसित भारत संकल्प यात्रा शनिवार को गांव मुंडलाना, बुसाना, रूखी पाना और रूखी खास में पहुंची। गांव मुंडलाना तथा बुसाना में मुंडलाना ब्लॉक की चेयरपर्सन सुशीला शर्मा जबकि गांव रूखी पाना और रूखी खास में गोहाणा ब्लॉक समिति के चेयरमैन प्रदीप खरब ने बतौर मुख्यातिथि जनसंवाद कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। चेयरपर्सन सुशीला शर्मा ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर व विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। विकसित राष्ट्र बनने की ओर भारत तेजी से आगे

पांच लोग भाजपा का थामा दामन

भाजपा महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष सारिका कालरा ने पांच लोगों को भाजपा में ज्वाइन करवाया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के तौर पर राज्यसभा सांसद एवं त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री, प्रदेश भाजपा प्रभारी बिलब देब पहुंचे थे। वहीं विधायक मोहन लाल बड़ौली ने भी उपस्थित दर्ज कराई थी। कार्यक्रम में जयपाल सिंह विहार निवासी कालपुर, देवी वर्मा निवासी बाबा कॉलोनी, उज्ज्वली निवासी कालपुर, सतीश शर्मा निवासी राम नगर और अजोती कुमार निवासी कालपुर की भाजपा ज्वाइन करवाई गई।

बढ़ रहा है। चेयरपर्सन ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से चलाई जा रही यह यात्रा देश के 140 करोड़ लोगों को विकसित करने की यात्रा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विश्वभर में भारत की छवि एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभरी है। सरकार विकास व जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम गांव व अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे इसके लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। इस

अवसर पर अनूप कुंडू, रीना शर्मा, मनोज शर्मा, एस्ईओ राजकुमार, सरपंच शिव नारायण, सरपंच रामपाल, सरपंच बलराम व राजबल आदि मौजूद रहे। चेयरपर्सन ने कार्यक्रमों में लाभार्थियों को आयुष्मान चिरायु योजना के तहत चिरायु कार्ड, स्वामित्व योजना के तहत प्रोपर्टी कार्ड, उज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर तथा गैस चूल्हे और पेंशन पत्र वितरित किए।

शोभा नहीं देता रोड पर सत्मान रखना-योगेश्वर

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ सोनीपत

भाजपा नेता एवं पूर्व अंतर्राष्ट्रीय पहलवान योगेश्वर दत्त ने कहा कि कोई भी पदक या सम्मान होता है, उसमें देशवासियों और सरकार का बहुत ज्यादा पैसा लगता है और कोई भी सम्मान किसी अकेले खिलाड़ी की धरोहर नहीं होती। फुटपाथ और रोड पर सम्मान को रखना शोभा नहीं देता। योगेश्वर दत्त शनिवार को सेक्टर 7 स्थित जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि बजरत पुनिया और विनेश फौगट द्वारा सम्मान वापस लौटने की बात पर कहा कि किसी भी खिलाड़ी पर 1 से 2 करोड़ रुपए सरकार खुद खर्च करती है। उन



खिलाड़ियों पर भी सरकार ने काफी पैसा खर्च किया है। खिलाड़ियों द्वारा अपना विरोध करने के लिए बहुत सारे रास्ते हैं, कोर्ट में केस चल रहा है। इस तरह से सड़क या फुटपाथ पर सम्मान रखना जायज नहीं है। योगेश्वर दत्त ने कहा कि बज्रभूषण चाह कर भी कुश्ती संघ के प्रधान नहीं बन सकते। फेडरेशन की बाँड़ी सस्पेंड नहीं हुई, बल्कि एक्टिविटी सस्पेंड

जरूरतमंद गरीबों को कंबल बांटे

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ सोनीपत



जानकीदास कपूर पब्लिक स्कूल में रोटी क्लब अध्यक्ष संदीप गिरधर, गौरव लथरा, डॉ. गौरव डेम्बला, सुमीत अलख, सुमित लथरा और राकेश कुमार श्रीवास्तव की नैता कोहली ने इंटीरेक्ट क्लब ऑफ जानकीदास कपूर पब्लिक स्कूल के माध्यम से कंबल वितरण कार्यक्रम

आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत इंटीरेक्ट क्लब के अध्यक्ष असमी लथरा तथा अन्य मंबर छात्रों ने रोटीरियंस के साथ मिलकर जरूरत मंद लोगों को कंबल बांटे और उनकी मदद की। प्राचार्या गीतांजलि ग्रोवर और संयोजिका नीता कोहली ने इंटीरेक्ट क्लब काउंसिल मंबरस को प्रोत्साहित किया।

मां का आंचल कभी छोटा नहीं होता

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ सोनीपत



ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी में शनिवार को एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यालय की छात्र एवं छात्राओं की माताओं को विशेष रूप से आमंत्रित कर, उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न क्रियात्मक गतिविधियों में भाग लिया और अपनी प्रसन्नता को सांझा करते हुए अपने अनुभवों के साथ-साथ अपनी रुचियों अभिरुचियों से सभी को अवगत कराया। इस अवसर पर उपस्थित विद्यालय प्रबंधक नीरज शर्मा, निदेशक रीमा शर्मा, चंचल शर्मा भी उपस्थित रहे। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने मां के महत्व को बताते हुए कहा कि हमारी



सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान माताओं को सम्मानित करते हुए।
फोटो : हरिभूमि

मां हमारे लिये सुरक्षा कवच की तरह होती है क्योंकि वो हमें सभी परेशानियों से बचाती है। मां का आंचल अपनी अपनी परेशानियों का ध्यान नहीं देती और हर समय बस हमें ही सुनती है। रीमा शर्मा ने भी अपने विचारों को व्यक्त करते हुए कहा कि मां एक मॉटर, एक उपदेष्टक, एक सलाहकार की तरह अपने बच्चों का नेतृत्व करती है, उसे सही दिशा दिखाती है और उसकी सहायक बनती है। मां का आंचल अपनी संतान के लिए कभी छोटा नहीं पड़ता। इस अवसर पर सभी ने लोहड़ी पर्व का भी आनंद उठाया। विद्यालय प्रधानाचार्या चंचल शर्मा ने कार्यक्रम के अंत में सभी को धन्यवाद कहा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
हरिभूमि कार्यालय, वीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 8295154800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है आत्मा कंध परदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से
साईज संस्करण विशेष छूट राशि
5 X 8 से.मी स्थानीय संस्करण के रु. 2000/-
10 X 8 से.मी अन्तर के पृष्ठ पर रु. 2500/-
+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मात्र। अन्य किसी साईज के लिए कोई दर लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, वीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

खिलाड़ियों को ट्रैक सूट देकर देकर सम्मानित किया खेल की खुशबू से महकते हैं खिलाड़ी

कांग्रेस नेता राजेश पहलवान ने कहा कि देश विदेश में पुरखासिया गांव के खिलाड़ियों ने किया है नाम रोशन

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ गन्नौर

गांव में छुपी खेल प्रतिभाओं को तराशने के लिए गांव पुरखास में खिलाड़ियों को ट्रैक सूट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कांग्रेस नेता राजेश पहलवान पुरखासिया पहुंचे। राजेश पहलवान ने कहा कि देश विदेश में इस गांव के खिलाड़ियों ने नाम रोशन किया है। खेल की खुशबू से यहां खिलाड़ी महकते हैं। उन्होंने नकशे कदम पर चल कर नई खेल पौध को तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुरखास गांव के सरपंच भी पहलवान हैं और यह पहलवानों का गांव है इसलिए पहलवानों को नए सिरे से तराशने का काम किया जा रहा है। बच्चे हमारे देश का भविष्य



गन्नौर। खिलाड़ियों को सम्मानित कार्यक्रम में कांग्रेस नेता पहलवान राजेश पुरखासिया व ग्रामीण।
फोटो : हरिभूमि

नरेश राठी ने कहा कि गांव के खिलाड़ी पदक जीतकर गांव का नाम रोशन कर रहे हैं। हमारे लिए गौरव की बात है। कुश्ती, कबड्डी, बॉक्सिंग, शूटिंग, फुटबाल, बास्केटबॉल, जूडो एथलेटिक्स के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। गांव की पहलवान लड़कियों में भी एक नाम ऊंचा नाम किया है। नेशनल बॉक्सिंग में सीनू ने गोल्ड मेडल

लिया, राजेश पहलवान पुरखासिया की बेटी का नाम रितिका ने कुश्ती स्कूल नेशनल में कांस्य पदक प्राप्त किया। विजेन्द्र की बेटी तन्नु राठी कुश्ती में नेशनल में स्वर्ण पदक जीता है। मौके पर दिलावर गुलिया पूर्व सरपंच यशपाल बाबा, महाबीर, जय भगवान, कोच अनिल, राकेश, विकास, राजेश, मनोज, शक्ति, सतेंद्र आदि शामिल रहे।

स्वामित्व योजना के कार्यों में तेजी लाएं : उपायुक्त



सोनीपत। अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए उपायुक्त।
फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ सोनीपत
उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि स्वामित्व योजना के तहत किए जा रहे परिवार पहचान पत्र पिंग तथा प्रोपर्टी कार्ड अपलोडिंग के कार्यों में संबंधित सभी बीडीपीओ तेजी लाएं अन्यथा संबंधित के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। उपायुक्त ने शुरूवार देर रात को राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद द्वारा वीसी के माध्यम से राजस्व विभाग के कार्यों को लेकर ली गई समीक्षा बैठक के पश्चात अधिकारियों की बैठक ली और उन्हें जरूरी दिशा-निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त ने मांडन रिकॉर्ड रूम, जनसंवाद पोर्टल, स्वामित्व, मुसावी, ई-भूमि पोर्टल, गिरदावरी आदि कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसंवाद पोर्टल पर आने वाली शिकायतों व राजस्व संबंधी मामलों का संबंधित अधिकारी समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित करने के लिए अधिकारी सजगता के साथ कार्य करें, ताकि नागरिकों को सुखद अहसास हो सके और जिला में कोई मामला लंबित न रहे। उपायुक्त ने कहा कि राजस्व विभाग के कार्यालयों में जल्द ही स्टाफ की कमी को पूरा किया जाएगा।



मकर संक्रांति विशेष

मकर संक्रांति पर्व की धार्मिक ही नहीं अत्यधिक सांस्कृतिक महत्ता भी है। यह पर्व ऋतुचक्र में होने वाले परिवर्तन और सूर्य की गति में बदलाव को भी प्रकट करता है। यह पर्व देश के अलग-अलग भागों में विभिन्न रूपों और नामों से मनाया जाता है। लेकिन इसे मनाने की मूल भावना में निहित सामाजिक समरसता, इसकी खूबसूरती को और बढ़ा देता है।

धार्मिक आस्था-सांस्कृतिक उल्लास का पवित्र पर्व मकर संक्रांति

लाभ देने वाला होता है। इस साल मकर संक्रांति की तिथि आज रात के बाद यानी 15 जनवरी को ब्रह्म मुहूर्त से पहले 2 बजकर 54 मिनट से आरंभ होगी, जब सूर्यदेव धनु राशि से निकल कर मकर राशि में प्रवेश करेंगे।

महत्वपूर्ण-पुण्यकारी धार्मिक कार्य

मकर संक्रांति के दिन सुबह उठकर सूर्य के निकलने से पहले या निकलते समय पवित्र नदियों में स्नान करना सबसे अच्छा माना जाता है। इसके बाद नए साफ वस्त्र पहनकर तांबे के लोटे में पानी भरकर उसमें काला तिल, गुड़ का छोटा टुकड़ा और अगर गंगा में नहीं नहा रहे तो थोड़ा गंगाजल मिलाकर सूर्यदेव को प्रणाम करते हुए उन्हें अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद गरीबों को दान दिया जाता है, इस दान में तिल और खिचड़ी का होना बहुत शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक मकर संक्रांति की सुबह घर में स्नान करे तो पानी में तिल और गंगाजल अवश्य मिला लें। किसी पवित्र नदी में स्नान कर रहे हों तो जिस जगह स्नान करे, वहां थोड़े तिल और गंगाजल छिड़क देना चाहिए। इस दिन सूर्यदेव शनि की राशि मकर में प्रवेश करते हैं, इसलिए मकर संक्रांति को शनि देव की पूजा भी करनी चाहिए।

कहीं नृत्य तो कहीं पतंगबाजी

मकर संक्रांति देश के अलग-अलग हिस्सों में खूब मस्ती और उमंग के साथ मनाई जाती है। कहीं पर लोग ढोल की थाप पर



असम में माघ बीहू के अवसर पर सामूहिक नृत्य करती महिलाएं नाचते-गाते हैं। जैसे पंजाब में भागड़ा और गिद्धा लोकनृत्य किया जाता है। इसी तरह असम में लोग बिहू लोकनृत्य में सामूहिक रूप से शामिल होते हैं। गुजरात और उत्तर भारत में इस अवसर पर बड़े पैमाने पर पतंग उतसव का भी आयोजन किया जाता है।

पर्व का जीवन में महत्व

मकर संक्रांति पर्व का महत्व सिर्फ धार्मिक या पारंपरिक संस्कारों तक ही सीमित नहीं है। इसका सीधा-सीधा रिश्ता बदलते हुए ऋतु चक्रों से भी होता है। जिस कारण बहते हुए पानी में स्नान किए जाने की परंपरा इससे जोड़ी गई है। इसका वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य यह है कि शरीर में इस तरह से प्रभाव पड़ता है कि हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है। इसलिए संक्रांति को सिर्फ धर्म की नहीं प्रकृति की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। *

वर्ष में होती हैं तीन संक्रांतियां

हिंदू पंचांग के अनुसार पूरे वर्ष में एक नहीं तीन संक्रांतियां मनाई जाती हैं- मकर संक्रांति, विषुव संक्रांति और कार्तिक संक्रांति। सभी में एक जैसी श्रद्धा और एक जैसी धार्मिक आदतें होती हैं। विषुव संक्रांति अप्रैल माह में पड़ती है, इस तिथि पर सूर्य मेष राशि में प्रवेश करते हैं। साथ ही इसी दिन विशाखा नक्षत्र में भी प्रवेश करते हैं, इसलिए इसे वैशाखी भी कहा जाता है। इसी तरह कार्तिक संक्रांति हिंदूओं में बहुत पवित्र मानी जाती है। कार्तिक संक्रांति में सूर्य तुला राशि में प्रवेश करते हैं। आमतौर पर यह अक्टूबर के मध्य में आती है। सभी संक्रांतियों में सूर्योदय से पहले उठकर या उग रहे सूर्य के सम्य स्नान का विधान होता है। साथ ही इस दिन पवित्र नदियों में भी स्नान करने का महत्व बताया गया है। *

आवरण कथा / आर.सी.शर्मा

पूर्व से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण तक नाम भले अलग-अलग हों, लेकिन मकर संक्रांति का धार्मिक-सांस्कृतिक पर्व, पूरे भारत में मनाया जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इसे अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। जैसे- उत्तर भारत के ज्यादातर हिस्सों में इसे मकर संक्रांति कहते हैं, तो पंजाब में लोहड़ी, गुजरात में उत्तरायण, उत्तराखंड में उत्तरायणी, केरल में पोंगल, असम में माघ बीहू और भोगाली बीहू, बिहार-उत्तर प्रदेश में खिचड़ी, बंगाल में दान पूर्व और तमिलनाडु में पोंगल के नाम से इसे मनाते हैं। चाहे पर्व के नाम अलग-अलग हों और इनके मनाने के तौर तरीके भी थोड़े अलग-अलग हों। लेकिन अपनी मूल प्रकृति और मूल आस्था में ये सारे पर्व एक ही होते हैं। नई फसल तैयार होने की खुशी में नाचना-गाना, सूर्य के उत्तरायण होने से उसके बढ़ते जीवनदायी ताप के प्रति आभार-सम्मान प्रकट करना और पवित्र नदियों में स्नान करने जैसी तमाम तरह की गतिविधियां, इन सभी पर्वों के मूल विधान में शामिल हैं।

पर्व मनाने की शुभ तिथि

मकर संक्रांति आमतौर पर अंग्रेजी कैलेंडर के जनवरी माह में 14 या 15 जनवरी को मनाई जाती है। मकर संक्रांति की तिथि से सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है, इसलिए यह मकर संक्रांति कहलाती है। इस दिन से सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं, जिसे शास्त्रों के मुताबिक देवताओं का दिन माना जाता है, जबकि दक्षिणायन को देवताओं की निशा यानी रात्रि माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस दिन किया गया दान, साल के बाकी किसी भी दिन किए गए दान के मुकाबले कहीं ज्यादा पुण्य

जीवन में सुकून और खुशी तो सभी चाहते हैं लेकिन इन्हें पाने के लिए किस रास्ते पर चलने की जरूरत होती है, इस बारे में कम ही लोगों को पता होता है। वास्तव में सुकून-खुशी हासिल करना कठिन नहीं है, अगर आप सही दिशा में इसे तलाश करें।

सुकून-खुशी पाना कठिन नहीं है, अगर...

जीवनशैली
शिखर चंद जैन

अगर आपको दिल्ली से कोलकाता जाना हो लेकिन आप ट्रेन या फ्लाइट चेन्नई की पकड़ लें तो कोलकाता पहुंचेंगे या चेन्नई? यह सवाल आपको अटपटा लग सकता है लेकिन व्यावहारिक जीवन में देखें तो खुशी और सुकून की तलाश में हम कुछ इसी तरह गलत राह पर चलते हुए अपनी मंजिल से भटक जाते हैं और हमें इसका एहसास ही नहीं होता है।



लिविंग स्टैंडर्ड का गलत पैमाना: बेहतरी, सफलता, समृद्धि और सुकून के वास्तविक स्वरूप को समझने में लोग अक्सर चूक जाते हैं। इसमें पूरी तरह गलती आपकी नहीं है। वास्तव में हमारा माहौल, संगत और समाज कई मामलों में हमारा नजरिया तय करते हैं। यही वजह है कि आज स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग हाई होने यानी सफलता और खुशहाली का प्रतीक भौतिक साधनों के बहुलता को माना जा रहा है। आपके जीवन का स्तर कितना ऊंचा है, यह इस बात से तय होता है कि आप का मकान शहर के किस पॉश इलाके में है, कितना बड़ा मकान या फ्लैट है, आपकी कार कितनी महंगी है, आपके यहां कितने नौकर-चाकर काम करते हैं, आपका बैंक बैलेंस कितना बड़ा है, आपका मोबाइल किस ब्रांड का है, आप शहर के किस रेस्तरां में डिनर या लंच के लिए जाते हैं, किस ब्रांड के कपड़े, घड़ी या जूते पहनते हैं? आप छुट्टियां बिताने के लिए विदेश जाते हैं या नहीं? इतना ही नहीं रैव पार्टीज में या महंगे क्लब्स में जाना भी स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग का प्रतीक बन गया है।

प्रयासों के बावजूद हम सुखी क्यों नहीं हो पा रहे हैं? सीधी सी बात है, जाना था जापान पहुंच गए चीन वाली कहावत हमारे साथ लागू हो गई है। हमारे प्रयास ही गलत दिशा में और गलत चीजों के लिए होते हैं। हमारा लक्ष्य कुछ और होता है और राह हम दूसरी पकड़ लेते हैं। हम अपने जीवन का स्तर ऊंचा करने की बजाय, इसे छोड़कर दूसरी भौतिक, दिखावटी और गैर जरूरी चीजों का स्तर ऊंचा करने में जुट जाते हैं। स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग को ऊंचा करना एक अंतहीन प्रयास है, जिसका कोई उच्चतम मापदंड आज तक कोई निश्चित नहीं कर पाया है। आप चाहे जितना महंगा सामान खरीदें, आपसे भी महंगा किसी और के पास मिल जाएगा। उसे देखते ही आपका अहं, चूर-चूर हो जाएगा और खुशी काफूर हो जाएगा।

अपना नुकसान खुद करते हम: आज के दौर का यह सच बन गया है कि हममें से अधिकांश लोगों के जीवन का ज्यादातर समय इन्हीं को पा लेने की कोशिश में खप जाता है, इन्हीं में सुकून और खुशहाली की तलाश करते हुए अनजाने में ही हम परेशान, बहाल और तनावग्रस्त रहने लगते हैं। पिछली सदी में बुजुर्ग और अब तो वैज्ञानिक भी कहते हैं कि चिंता, चिन्ता के समान होती है। हम अपनी ही नासमझी से गलत जीवनशैली के कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह, स्ट्रोक, हृदय रोगों और कैंसर जैसे घातक रोगों के शिकार बेहद आसानी से हो जाते हैं। नतीजतन ना मनचाहा खा सकते हैं ना ढंग से सो पाते हैं। कहा गया है कि पहला सुख निरोगी काया। लेकिन जब माया के चक्कर में काया ही रोगी हो गई तो सुख और सुकून भला कैसे मिलेंगे?

आज तक कोई निश्चित नहीं कर पाया है। आप चाहे जितना महंगा सामान खरीदें, आपसे भी महंगा किसी और के पास मिल जाएगा। उसे देखते ही आपका अहं, चूर-चूर हो जाएगा और खुशी काफूर हो जाएगा।

अंतरिक सुकून की राह: आपको जीवन का स्तर ऊंचा रखना है, सुकून, सुख और खुशहाली से रहना है तो जरूरतें और चाहतों में अंतर समझना होगा। जीवन का स्तर आंतरिक सुख से ऊंचा होगा, जो संतोष से प्राप्त होता है। कहा भी गया है, संतोष परम सुखम्। अध्यात्म, प्राणायाम, योग, ध्यान आदि को अपनाया होगा। परमार्थ की भावना, दयालुता, परिपक्वता, समाज की सेवा और मनुष्य मात्र के प्रति संवेदनशीलता हमें जीवन के उच्चतम स्तर तक पहुंचा सकती है। झूठ, छल, कपट, धोखाधड़ी, झूठ, ईर्ष्या, लालच, क्रोध जैसे दुखी करने वाले जंजालों से मुक्ति पानी होगी। जैसे किसी तालाब के पानी से काई, तृण, गंदगी और विषाणु निकालकर उसे हल्का, सुपाच्य और स्वस्थ पेय जल बनाया जा सकता है, वैसे ही जीवन से इन अवांछित तत्वों और नकारात्मक भावनाओं को निकाल दें तो जीवन स्वच्छ जल की मानिंद हल्का और सुकून देने वाला बन सकता है। इस प्रकार का जीवन जीने वाला स्वतः ही अपने समाज में चहेता, प्रशंसनीय, स्नेह का पात्र और आदरणीय बन जाता है। लोग उसका सम्मान करते हैं। लोगों से जब ऐसा आदरपूर्ण और स्नेहिल व्यवहार मिलेगा तो आपको अतुलनीय आंतरिक आनंद और सुकून मिल जाएगा। *

अंतरिक सुकून की राह: आपको जीवन का स्तर ऊंचा रखना है, सुकून, सुख और खुशहाली से रहना है तो जरूरतें और चाहतों में अंतर समझना होगा। जीवन का स्तर आंतरिक सुख से ऊंचा होगा, जो संतोष से प्राप्त होता है। कहा भी गया है, संतोष परम सुखम्। अध्यात्म, प्राणायाम, योग, ध्यान आदि को अपनाया होगा। परमार्थ की भावना, दयालुता, परिपक्वता, समाज की सेवा और मनुष्य मात्र के प्रति संवेदनशीलता हमें जीवन के उच्चतम स्तर तक पहुंचा सकती है। झूठ, छल, कपट, धोखाधड़ी, झूठ, ईर्ष्या, लालच, क्रोध जैसे दुखी करने वाले जंजालों से मुक्ति पानी होगी। जैसे किसी तालाब के पानी से काई, तृण, गंदगी और विषाणु निकालकर उसे हल्का, सुपाच्य और स्वस्थ पेय जल बनाया जा सकता है, वैसे ही जीवन से इन अवांछित तत्वों और नकारात्मक भावनाओं को निकाल दें तो जीवन स्वच्छ जल की मानिंद हल्का और सुकून देने वाला बन सकता है। इस प्रकार का जीवन जीने वाला स्वतः ही अपने समाज में चहेता, प्रशंसनीय, स्नेह का पात्र और आदरणीय बन जाता है। लोग उसका सम्मान करते हैं। लोगों से जब ऐसा आदरपूर्ण और स्नेहिल व्यवहार मिलेगा तो आपको अतुलनीय आंतरिक आनंद और सुकून मिल जाएगा। *

गलत मार्ग पर मंजिल की तलाश: हममें से अधिकतर लोग समझ ही नहीं पाते कि आखिर इतने

अंतर समझना होगा। जीवन का स्तर आंतरिक सुख से ऊंचा होगा, जो संतोष से प्राप्त होता है। कहा भी गया है, संतोष परम सुखम्। अध्यात्म, प्राणायाम, योग, ध्यान आदि को अपनाया होगा। परमार्थ की भावना, दयालुता, परिपक्वता, समाज की सेवा और मनुष्य मात्र के प्रति संवेदनशीलता हमें जीवन के उच्चतम स्तर तक पहुंचा सकती है। झूठ, छल, कपट, धोखाधड़ी, झूठ, ईर्ष्या, लालच, क्रोध जैसे दुखी करने वाले जंजालों से मुक्ति पानी होगी। जैसे किसी तालाब के पानी से काई, तृण, गंदगी और विषाणु निकालकर उसे हल्का, सुपाच्य और स्वस्थ पेय जल बनाया जा सकता है, वैसे ही जीवन से इन अवांछित तत्वों और नकारात्मक भावनाओं को निकाल दें तो जीवन स्वच्छ जल की मानिंद हल्का और सुकून देने वाला बन सकता है। इस प्रकार का जीवन जीने वाला स्वतः ही अपने समाज में चहेता, प्रशंसनीय, स्नेह का पात्र और आदरणीय बन जाता है। लोग उसका सम्मान करते हैं। लोगों से जब ऐसा आदरपूर्ण और स्नेहिल व्यवहार मिलेगा तो आपको अतुलनीय आंतरिक आनंद और सुकून मिल जाएगा। *

नवगीत / शिवचरण चौहान

धूप आई, जान आई



धूप आई जान आई! शीत से मारे हुए फूलों के मुख मुसुकान आई। आदना ऋतुराज पक्का जानते हैं हम सभी पर शिशिर, रैमंत तो सबको रुलाएगा अग्नी, सभी के चेहरों में भीठी

पुस्तक चर्चा / विज्ञान गूण

कविता में उम्मीद

हाल में युवा कवि अनुराग संवेदनात्मक दृष्टि को प्रमाणित वत्स का पहला कविता संग्रह 'उम्मीद प्रेम का अन्न है' प्रकाशित हुआ है। इसमें उनकी कई छोटी कविताओं के साथ ही आत्मकथ्य भी संकलित हैं। इस पुस्तक की कई कविताएं, प्रेमानुभूति से जुड़ी बहुत बारीक संवेदनाओं को व्यक्त करती हैं। 'बात न हो, बात की याद हो/तो वह याद ही भंज दो।' जैसी पंक्तियां मन के भीतर ठहर सी जाती हैं। प्रेम की अनुभूति से इतर भी कुछ कविताएं, अनुराग की सुक्ष्म

कहानी

शीला श्रीवास्तव

मंदिर से आकर सविता जी धम्म से सोफे पर बैठ गईं। पति जयप्रकाश जी ने धीमे स्वर में पूछा, 'क्या बात है भायवान, मूड क्यों खराब है?' 'पता नहीं, लोगों को क्या पड़ी है, जो बार-बार हमारे बेटे रवि की शादी के बारे में पूछते हैं। अरे, नहीं करनी मुझे रवि की शादी। शादी के बाद वह भी हमसे अलग हो जाएगा।' सविता जी कुदृते हुए बोलीं। 'तुम स्वार्थी हो गई हो रवि की मां। अपने स्वार्थ के लिए तुम अपने बेटे को सदा के लिए कुंवारा रखना चाहती हो।' जयप्रकाश जी गंभीर स्वर में बोले। 'आपको जो समझना है, समझिए।' दोनों पति-पत्नी में बहस चल ही रही थी, तभी रवि आ गया। उसके आते ही दोनों ऐसे हंस-हंसकर बातें करने लगे, जैसे उनके बीच कोई हास-परिहास चल रहा हो। दरअसल, रवि अपनी मां के मन से अनभिन्न अपनी एक कुलीन सुजाता से प्यार कर बैठा। एक दिन सकुचाते-सकुचाते उसने अपने दिल की बात अपनी मां से कह दी थी। सविता जी को जैसे झटका-सा लगा। वह जड़वत रह गई। तभी रवि ने मां को झकझोरते हुए पूछा था, 'क्या सोच रही हो मां?' 'कुछ नहीं बेटा, शादी की अभी इतनी जल्दी क्या है? अभी छब्वीस की ही तो उम्र है तुम्हारी।' सविता जी अपनी भावनाओं को छुपाते हुए बोली थीं। बस उसी दिन से रवि उदास रहने लगा। सविता जी अपने बेटे के उदासी के कारण को अच्छी तरह जानती थीं, लेकिन वह अपनी शंकाओं से मुक्त भी तो नहीं हो पा रही थीं। एक दिन वह अपने बेटे रवि के सिर पर हाथ फेरते हुए बोलीं, 'काश! तू हमेशा बच्चा ही रहता तो कितना अच्छा होता, लेकिन अब तू बड़ा हो गया है। तुझे मां की नहीं बल्कि एक जीवन संगिनी की जरूरत है...' लेकिन सविता जी ने वाक्य अधूरा ही छोड़ दिया। उनकी आवाज बीच में ही भर आई थी, आंखों से मोटे-मोटे आंसू टपक पड़े। रवि अपनी मां के आंसुओं का मतलब नहीं समझ पाया, इसलिए आश्चर्य और प्रश्न भरी नजरों से मां को निहारने लगा। तभी जयप्रकाश जी ने बात संभाली, 'अरे बेटा, तुम्हारी मां डरती है कि शादी के बाद कहीं तुम्हारा प्यार बंट ना जाए।' 'ओफ हो मां.. तुम भी न, कुछ भी सोचती रहती हो।' रवि हंसते हुए बोला। रवि के ऑफिस जाने के बाद जयप्रकाश जी ने सविता जी को समझाया, 'देखो रवि की मां, हम मां-बाप को अपना फर्ज निभाना चाहिए। अब आगे चलकर बेटा-बहू हमें पूछें या ना पूछें, यह उनकी मर्जी। अपने स्वार्थ में अंधे

सविता जी को इस बात की चिंता मन ही मन में सताए हुए थी कि बेटे रवि की शादी के बाद उनका प्यार बंट जाएगा। वह पत्नी का साथ पाकर उनसे दूर हो जाएगा। इसलिए वह उसकी शादी टाल रही थी। मां के आगाध प्रेम पर केंद्रित दिल को छूती कहानी।

अलगाव



होकर हम अपने बच्चों की खुशियों को दांव पर तो नहीं लगा सकते ना।' जयप्रकाश जी एक पल रुक कर आगे बोले, 'अच्छा बताओ, तुम्हें ज्यादा खुशी किस बात में होगी, जब रवि कुंवारा रहकर दुखी मन से हम लोगों की सेवा करेगा या फिर अपने जीवन साथी के साथ खुशहाल जिंदगी जिएगा?' 'हां, मैं स्वार्थी हो गई थी। मेरे लिए तो मेरे बेटे की खुशी से बढ़कर कुछ और नहीं होना चाहिए। यह सही नहीं है।' सविता जी को अपने पति की बात अच्छे से समझ में आ गई थी। दूसरे ही दिन सविता जी अपना घुटना लेकर बैठ गईं। 'क्या हुआ मां, घुटने में दर्द हो रहा है क्या?' रवि ने पूछा। 'हां, बहुत दर्द हो रहा है। अब मुझसे ज्यादा काम नहीं होता। ऐसा कर तू शादी कर ले।' सविता जी झूठ-मूठ दर्द से कराहती हुई बोलीं। 'क्या मां, कभी तुम कुछ बोलती हो तो कभी कुछ।' रवि सहज स्वर में बोला। जयप्रकाश जी अपनी पत्नी के बहाने को अच्छी तरह समझ रहे थे, इसलिए तपाक से बीच में बोल पड़े, 'अब तुम्हारी मां सटिया गई है बेटा। बहू आ जाएगी तो इनको सहारा मिल जाएगा।' 'ऐसी बात है तो मैं कल ही लड़की वालों को घर पर बुलाता हूँ।' रवि खुशी से चहकते हुए बोला तो सविता जी की आंखें भर आईं। इस बार उनकी आंखों में स्नेह के आंसू थे। जयप्रकाश जी ने राहत की सांस ली। *



लघुकथा / डॉ. मोनिका शर्मा

त्योहारी शगुन

श्वेता संक्रांति के पर्व पर दिए जाने वाले शगुन को सगे-संबंधियों और आस-पड़ोस की महिलाओं के बजाय मेड सर्वेंट्स को देती रही है। आज त्योहार के दिन सुबह-सुबह शगुन सामग्री बांटने की तैयारी में जुटी श्वेता को सासू मां ने टोका। सुहाग से जुड़ी चीजें अपनी बराबरी वालों को देने की सलाह देतीं, सासू मां के आपत्ति जताने पर उसने सहज भाव से कहा, 'इसमें बराबरी कैसी मां? यूँ इस पर्व पर स्नेह स्वरूप भेंट देने की रीत पुण्य कमाने से ज्यादा परवाह के भाव से जुड़ी है। परवाह की सोच प्रेम की डोर से बंधी है। प्रेम का आधार किसी के जीवन को सहज बनाना है। सहजता किसी की आवश्यकताओं और परिस्थितियों को समझकर मदद करने की श्रद्धा से जुड़ी है।' 'अच्छा ठीक है...ठीक है।' कहते हुए सासू मां ने मुस्कराते हुए हामी भरी। फिर थोड़ी गंभीर होकर बोलीं, 'हां, बात तो सही है। आपस में लेना-देना करने से तो इस रीत के मायने ही बदल गए। यह रिवाज बना तो सौगत स्वरूप एक-दूसरे का जीवन सहज बनाने वाले सामान देने को लेकर ही है ना। समय के साथ रीत भी बदलनी ही चाहिए बहू।' श्वेता की खुशी सासू मां का समर्थन पाकर और बढ़ गई। उसने प्यार भरे अंदाज में सूचित करते हुए कहा, 'मेरा ही नहीं, अबके बरस आपका शगुन भी टेंड के मौसम में हमारा जीवन सहज-सुविधाजनक बनाने वाली मेड सर्वेंट्स को देगे मां।' त्योहार के दिन घर के स्नेहमयी परिवेश में इस बात पर लगा दोनों का ठकाका डोर बेल बजते ही रुका। कड़कड़ती टेंड में श्वेता ने टिठके हाथों से दरवाजा खोला तो पिछले साल त्योहारी सौगात में दी स्केटर पहने उनकी धरेलू सहायिका खड़ी थी। उसके भीतर आते ही सासू-बहू ने मानवीय अनुभूतियां भरी मुस्कराहट संग एक-दूसरे की ओर देखा और शगुन की सामग्री पर जा टिकी उनकी आंखें संवेदनाओं की नमी से भीगी गईं। आसमान तक छाई रंग-बिरंगी त्योहारी रौनक में आज दो पीढ़ियां परवाह के भाव से उपजे सार्थक परिवर्तन की साक्षी बनीं, विचार के बदलाव से आए व्यावहारिक परिणाम को देख रही थीं। *

लेखक ध्यान दें...
लेखक रविवार भारती में प्रकाशनायक
अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी
haribhoomifeatured@gmail.com पर भेजें।

जीवन में सफल होने के लिए 'साइंस ऑफ सक्सेस' के बारे में पता होना जरूरी है। वास्तव में यह अपने सपने या लक्ष्य को पाने की दिशा में स्टेप बाई स्टेप की जाने वाली एक प्रक्रिया होती है। साइंस ऑफ सक्सेस क्या है और इसे जीवन में लागू करने के लिए क्या, कैसे कर सकते हैं, जानिए।

क्या आप जानते हैं साइंस ऑफ सक्सेस

सेलफ इंफ्लुएंस / कीर्तिशेखर



स शहर अमेरिकी लेखक नेपोलियन हिल की सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब 'थिंक एंड ग्रो रिच' में साइंस ऑफ सक्सेस का जो फॉर्मूला बताया गया है। इसके मुताबिक अगर आप सफल होना चाहते हैं तो अपने लक्ष्य पर ध्यान लगाएं। लगातार ध्यान में बने रहना ही 'साइंस ऑफ सक्सेस' है। इसे सीखने के लिए कुछ टिप्स को फॉलो करना होगा।

बनाएं प्रॉपर वर्क प्लानिंग

यह सच है कि खुद को अपने लक्ष्य के प्रति फोकस बनाए रखना एक बड़ी चुनौती होती है। यह चुनौती तभी सघती है, जब आप इसके लिए एक स्पेशल प्लानिंग बनाएं और उसे अपनाएं। इसके लिए अपने साथ एक ऐसी पॉकेट डायरी रखनी चाहिए, जिसमें आपके लक्ष्य लिखे हों और उन्हें दिन में कई बार निकालकर देखते रहें। अपने ज्यादातर काम आप तब करें, जब ऊर्जा से लबालब हों। और हां, किसी भी काम को करने से पहले ही उस काम का एक शेड्यूल बना लें और उन्हें पाठ्स में डिवाइड कर लें। साथ ही शोर-शराबे से दूर रहने का इंतजाम करें। जो चीजें या कंडीशंस, बार-बार आपको लक्ष्य से भटकाएँ, उनको अपने से दूर रखें, विशेषकर मोबाइल फोन।

मन को हमेशा फोकस रखें

वैसे अपने काम में ध्यान केंद्रित करने के एक नहीं कई तरीके हो सकते हैं। ये तरीके तभी कारगर होते हैं, जब आप अपने मन को केंद्रित करने की कोई कारगर तरीका अपनाएं। दूसरे शब्दों में, अपने काम पर फोकस करने के लिए मन की एकाग्रता जरूरी है। हर दिन के लिए निर्धारित काम अगर

आप उसी दिन कर लेते हैं, तो ना सिर्फ काम में लगातार मन लगा रहता है बल्कि यह आपको उत्साहित भी करता है। दिन में काम शुरू करने के पहले मन ही मन एक तात्कालिक लक्ष्य भी निर्धारित करें और उस लक्ष्य को हर हाल में पूरा करने की कोशिश करें। आपका मन बेहतर तरीके से किसी काम में तभी लगता है, जब आप अपने विचारों और भावनाओं को भी अपने लक्ष्य के साथ जोड़ लेते हैं। इससे मन और मस्तिष्क में दो अलग-अलग धाराएं नहीं रहती हैं।

शुभचिंतकों से लें प्रेरणा

दुनिया में जितने भी सफल लोग हुए हैं, उन सबके पास अपना फंडामेंटल साइंस ऑफ सक्सेस होता है। इसका दूसरे शब्दों में मतलब यह होता है कि साइंस ऑफ सक्सेस कोई निश्चित और तकनीकी रूप से एक ही डेफिनिशन नहीं होती, बल्कि आप जिस भी तरह से खुद को बेहतर परफॉर्म करने के लिए रेंडी कर सके, वही साइंस ऑफ सक्सेस का सबसे ठोस तरीका और फॉर्मूला होता है। कुछ लोग अपने लक्ष्य को हासिल करने में तब तक सफल नहीं होते, जब तक उन्हें किसी अन्य से इस मामले में जबरदस्त प्रेरणा ना मिले। अगर आप भी ऐसे लोगों में शामिल हैं तो अपने ऐसे शुभचिंतकों से मिलते रहें, जो आपको लगातार सफल होने के लिए प्रेरित करते रहें।

अपने मूल्य बरकरार रखें

सफल होने का एक प्रमुख सूत्र यह भी है कि आप जहां पर सक्रिय हों, वहां महत्वपूर्ण माने जाएं। यानी आपकी भूमिका



अपने क्षेत्र में महत्वपूर्ण होनी चाहिए। अगर आप अपनी मौजूदगी में महत्वपूर्ण नहीं होते तो आपके लिए किसी भी लक्ष्य को पाना आसान नहीं होता है।

रिस्क लेने से ना डरें

कुछ लोग जीवन में इसलिए भी सफल नहीं हो पाते, क्योंकि असफलता के डर से वे कभी कोई प्रयोग नहीं करते, कोई रिस्क नहीं लेते। जब आप ऐसा करते हैं तो सफल होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। कहने का मतलब है, मनचाही सफलता पाने के लिए आपको जोखिम लेना भी सीखना होगा और गलतियां करने का साहस भी करना होगा।

महत्वाकांक्षी लोगों के साथ रहें

अगर आप ऐसे लोगों के साथ रहते हैं, जो आपकी तरह ही महत्वाकांक्षी हों, आपकी तरह ही सफल होने के सपने देखते हों और आपकी तरह ही उनके अपने लक्ष्य हों तो इसका भी फायदा आपको मिलता है। ऐसे लोगों के आस-पास होने से आप लगातार प्रेरित होते रहते हैं और जिस भी क्षेत्र में होते हैं, वहां सफलता पाने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

इस तरह यहां बताई गई बातों को अगर आप अमल में लाते हैं तो आपको सफल होने से कोई रोक नहीं सकता है।*



समुद्र तट पर नमकीन सौंदर्य की छटा रण ऑफ कच्छ

गुजरात राज्य के तटीय जिले कच्छ में स्थित रण ऑफ कच्छ, अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए विद्विष्ट है। हर वर्ष नवंबर से फरवरी के मध्य यहां आयोजित होने वाले रण उत्सव में देश-विदेश के पर्यटक बड़ी संख्या में आते हैं। रण ऑफ कच्छ और रण उत्सव की खासियतों पर एक नजर।

टूरिस्ट स्पॉट / देवेन्द्रराज सुधार

अपने देश के गुजरात राज्य में स्थित कच्छ का रण ना केवल अपने प्राकृतिक वैभव के लिए जाना जाता है, बल्कि स्थानीय कलाकारों द्वारा आयोजित रण उत्सव के लिए भी काफी लोकप्रिय है। कच्छ के रण की प्राकृतिक स्थिति: कच्छ का रण दिखने में बहुत आकर्षक लगता है। इसके निर्माण की प्रक्रिया प्रकृति स्वयं नियंत्रित करती है। हर वर्ष गर्मियों के बाद मानसून के आगमन के साथ ही कच्छ की खाड़ी का पानी इस रेगिस्तान में आ जाता है, जिससे सफेद रण जुलाई से नवंबर के बीच एक विशाल समुद्र जैसा दिखाई देने लगता है। लगभग 26 हजार वर्ग किमी. क्षेत्रफल में फैला कच्छ का रण सिकंदर के समय में एक नौगम्य झील हुआ करती थी। अब यह दो भागों में बंट गया है। उत्तरी रण यानी ग्रेट रण ऑफ कच्छ और पूर्वी रण यानी लिटिल रण ऑफ कच्छ। यहां का तापमान गर्मियों में 44 से 50 डिग्री तक बढ़ जाता है, जबकि सर्दियों में शून्य से नीचे चला जाता है।

कच्छ के रण का इतिहास:

ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार कच्छ पर पहले सिंध के राजपूतों का शासन हुआ करता था, लेकिन बाद में जडेजा राजपूत राजा खेंगरजी के समय भुज को कच्छ की राजधानी बना दिया गया। सन् 1741 में राजा लखपतजी कच्छ के राजा बने। 1815 में अंग्रेजों ने डूंगर पहाड़ी पर कब्जा कर लिया और कच्छ को ब्रिटिश जिला घोषित कर दिया गया। ब्रिटिश शासन काल में ही कच्छ में रंजीत विलास महल, मांडवी का विजय विलास आदि महल भी बनवाए गए।

भारत को मिला कच्छ का रण: आज कच्छ के रण का अधिकांश भाग भारत के गुजरात में है, जबकि कुछ भाग पाकिस्तान में है। अप्रैल 1965 में रण के पश्चिमी छोर पर भारत-पाक सीमा को लेकर लड़ाई छिड़ गई थी। बाद में ब्रिटेन के हस्तक्षेप से यह युद्ध खत्म हुआ। संयुक्त राष्ट्र के तत्कालीन महासचिव द्वारा सुरक्षा परिषद को भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर इस विवादित मामले को ट्रिब्यूनल को भेजा गया। ट्रिब्यूनल ने 1968 में फैसला सुनाया कि रण का 10 प्रतिशत हिस्सा पाकिस्तान के पास और 90 प्रतिशत हिस्सा भारत के पास रहेगा। इस तरह एक साल

बाद 1969 में कच्छ के रण का विभाजन हो गया।

आकर्षक होता है रण उत्सव: हर साल 8 से 10 लाख पर्यटक नवंबर से फरवरी तक आयोजित होने वाले कच्छ रण उत्सव को देखने, चांदनी रात के खुले आसमान में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेने, के लिए यहां आते हैं। यहां पर्यटकों को कई तरह की कलाओं और उनमें दक्ष लोगों से रूबरू होने का मौका मिलता है। रण उत्सव के दौरान कई कलाकार अपनी कला के जरिए रेत पर भारत के इतिहास की झलक दिखाते हैं। पिछले कई वर्षों में रण उत्सव के दौरान कलाकारों ने रामायण से लेकर स्वामी विवेकानंद की कच्छ यात्रा तक के पाठों को अपनी कला में प्रदर्शित किया है। यहां आकर स्थानीय लोगों की जीवनशैली और हस्तशिल्प कला से भी रूबरू हो सकते हैं। रण उत्सव के दौरान भुज से पांच किमी. दूर रण मैदान के मध्य धोडो गांव के पास एक पर्यटक शिविर लगाया जाता है, जहां देशी-विदेशी पर्यटकों को सभी सुविधाओं

के साथ ठहराया जाता है। यहां आप डेजेंट पेट्रोलिंग व्हीकल पर रेगिस्तान में सवारी का आनंद भी ले सकते हैं। इतना ही नहीं, इस रेगिस्तान में आपको लोमड़ी और राजहंस की दुर्लभ प्रजातियां भी देखने को मिलेंगी। भुज के पास भुजोड़ी नाम का एक गांव है, जहां वानकर समुदाय के लगभग 1,200

कारीगर रहते हैं। ये लोग यहां कपड़ा और हस्तशिल्प इकाइयों में काम करते हैं। यहां बुनकरों, ब्लॉक प्रिंटर और टाई-डाई कलाकारों से मिलने और उनके शिल्प के बारे में जानने का मौका मिलता है।

ऐसे पहुंचें कच्छ के रण: भुज, कच्छ के रण के बहुत करीब है। सभी प्रमुख शहरों के हवाई अड्डों और रेलवे स्टेशनों से यहां आया जा सकता है। भुज से रण की दूरी सिर्फ 80 किमी है। आप चाहें तो भुज से गुजरात टूरिज्म बस की सुविधा भी ले सकते हैं, जो आपको सीधे कच्छ के रण तक ले जाएगी। अगर आप फ्लाइट से आना चाहते हैं, तो बंगलुरु, दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, तिरुवनंतपुरम और गोवा से सीधी फ्लाइट भुज एयरपोर्ट के लिए चलती है। अगर आप ट्रेन से कच्छ जाना चाहते हैं, तो भुज एक्सप्रेस और हजरत एक्सप्रेस दिल्ली से चलती है। अगर आप सड़क मार्ग से आना चाहते हैं, तो दिल्ली, मुंबई, पुणे और जोधपुर से कच्छ के रण तक पहुंच सकते हैं।*



जानकारी / वीना गौतम

कई तरह से फायदेमंद बादाम का पेड़

बा दाम एक मेवा है, मेवा यानी सूखा फल। बादाम को अंग्रेजी में ऑलमंड, संस्कृत में वाताद या वातवैरी, हिंदी, मराठी, गुजराती और बांला में बादाम और फारसी में बदाम शोरी कहते हैं। बादाम का पेड़ 4 से 12 मीटर तक ऊंचा होता है। बादाम के पेड़ में गुलाबी, सफेद फूल लगते हैं, फिर इन्होंने फल बनता है। अमेरिका में सर्वाधिक उत्पादन: जहां तक बादाम उत्पादन की बात है, तो अमेरिका इसमें पहले स्थान पर है। दुनिया में बादाम की कुल आपूर्ति का

80 प्रतिशत अमेरिका के कैलीफोर्निया से होती है। भारत में बादाम की खेती: भारत में बादाम उत्पादन सबसे ज्यादा जम्मू-कश्मीर में होता है। भारत में पैदा होने वाले कुल बादाम का 85 फीसदी हिस्सा जम्मू-कश्मीर से ही आता है। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा, शोपियां, कुलगाम, गांदरबल और बारामूला जिले बादाम के प्रमुख उत्पादक हैं। भारत में शेष पैदा होने वाले बादाम में से करीब 8 फीसदी हिमाचल



प्रदेश, लद्दाख में होता है। **बढ़ रही बादाम की मांग:** आयुर्वेद में बादाम को बुद्धि और नसों के लिए गुणकारी बताया गया है। जैसे-जैसे दुनिया भर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजगता आ रही है, बादाम की मांग बढ़ती जा रही है। **कमाई का बेहतर तरीका**

विकल्प: अमूमन बादाम 600 रुपए प्रति किलो से कम का नहीं मिलता और अच्छी क्वालिटी वाले बादाम की कीमत 1,000 रुपए प्रति किलो होती है। इसीलिए किसानों के लिए बादाम की खेती ज्यादा फायदेमंद होती है, इसलिए देश के कई हिस्सों में बादाम के पेड़ लगाने के प्रति किसान अधिक आकर्षित हो रहे हैं। एक बार बादाम का पेड़ तैयार हो जाए तो यह 50 साल तक फल देता है।*

सोशल इश्यू

दिनेश प्रताप सिंह 'विशेष'

अगर यह कहा जाए कि वैश्वीकरण के मौजूदा दौर में सारा देश-समाज बाजार में तब्दील होने लगा है तो गलत नहीं होगा। चिंताजनक बात यह है कि इस बदलाव ने बचपन का भी बाजारीकरण करना शुरू कर दिया है। इसी का परिणाम है कि बच्चों के लिए उपयोगी वस्तुओं के साथ फ्रिज, वाशिंग मशीन, बाइक, कार, फर्नीचर जैसी महंगी खरीददारी में भी बच्चे बाजार के अनुकूल अपनी सहमति देने लगे हैं। मजे की बात यह कि अधिकांश मां-बाप को शायद ही इसका रंच मात्र आभास हो कि उनके बच्चों को करोड़ों की खरीद-फरोख्त के बाजारू जाल में फंसाया जा चुका है। **विज्ञापनों की बड़ी भूमिका:** सर्वेक्षण रिपोर्टों के अनुसार, बच्चों को बाजार के चमत्कार में फंसाने में टेलीविजन और विभिन्न माध्यमों के विज्ञापनों का बड़ा हाथ है। सूचना माध्यमों का विज्ञापन एक तरीका है, जो हमारी आवश्यकताओं के अनुसार विकल्प प्रस्तुत करते हैं, जिसमें से हम अपनी जरूरत के अनुसार वस्तुओं का चयन कर सकते हैं। लेकिन बच्चों में विवेक कम होता है।

यह बेहद चिंताजनक बात है कि बाजार की चमक-टमक के जाल में हमारे नौनिहाल फंसते जा रहे हैं। ऐसे में पैरेंट्स ही नहीं सारे समाज को सजग रहने की जरूरत है।

बहुत चिंताजनक है बचपन का बाजारीकरण

आठ-दस साल का बच्चा यह नहीं जान सकता कि टीवी पर जगमगाते विज्ञापन वास्तविकता से कौंसों दूर सिर्फ वस्तु के प्रचार होते हैं। **मीडिया की सुनियोजित प्लानिंग:** बाजार की ताकतों जीवन की बदलती प्रार्थमिकताओं और स्थितियों के बीच अपना



वर्चस्व स्थापित करना जानती है। माता-पिता अपनी भाग-वैडू भरी जिंदगी के कारण बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाते हैं। परिणामतः बच्चे अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं। वह अपना अकेलापन बांटने के लिए निरंतर टीवी चैनलों या सोशल मीडिया के संपर्क में रहते हैं। मार्केटिंग तंत्र इसका पूरा फायदा उठाने में लगा रहता है। यह टीवी पर

बच्चा, बाल दर्शकों को खूब आकर्षित करता है। वे विज्ञापन वाले बच्चे जैसा स्वयं भी दिखना चाहते हैं। इसलिए उन्हें वैसा ही स्कूल बैग, जूता, कैप, खिलौने, शर्ट वगैरह तो चाहिए ही, घरेलू समान भी विज्ञापन वाले बच्चे के मम्मी-पापा जैसा ही चाहते हैं। वास्तव में बच्चे जो देखते हैं, वही सीखते हैं।

नमिता उन्नीकृष्णन और शैलजा वाजपेयी द्वारा किए गए 'द इयैक्ट ऑफ टीवी एडवर्टाइजिंग ऑन चिल्ड्रेन' शीर्षक के अध्ययन के अनुसार, आठ से पंद्रह साल के पचहत्तर प्रतिशत बच्चे टेलीविजन विज्ञापनों में प्रदर्शित उत्पादों को हासिल करना चाहते हैं। **हम सभी बनें सजग:** आधुनिक भारतीय समाज अपने अंदर विरोधाभास को समेटे हुए जी रहा है। एक तरफ संपन्नता और विलासिता में डूबे कुछेक लाख लोग और उनका पिछलग्गू बड़ा मध्यवर्ग है। दूसरी तरफ एक बहुत बड़ी आबादी जीवन की मूलभूत सुविधाओं से वंचित घुट रही है। लेकिन इस संवर्ग के बच्चे और किशोर विज्ञापनों के प्रभाव में, अपने ही आयुवर्ग के संपन्न परिवार के संतानों जैसा जीवन जीने की ललक रखने लगते हैं। इस प्रवृत्ति को दूर करने के लिए केवल चिंतित जानने से कुछ नहीं होगा, सभी पैरेंट्स, समाज और नीति निर्धारकों को इस दिशा में कारगर कदम भी उठाने होंगे।*

विशेष: मकर संक्रांति

सिने-जगत / अशोक जोशी

मकर संक्रांति का त्योहार पूरे देश में मनाया जाता है। विशेष रूप से उत्तर भारत में बड़े ही धूमधाम से इसे लोग मनाते हैं। इस दिन दान-स्नान के साथ ही पतंग उड़ाने की परंपरा भी है। इसी वजह से मकर संक्रांति को पतंग पर्व के रूप में भी जाना जाता है। पतंगबाजी ने ना केवल समाज में लोकप्रियता बटोरी बल्कि सिनेमा के पट्टे पर भी पतंगें खूब उड़ी हैं। फिल्मों के पतंग के टाइटल से लेकर इस पर आधारित गाने लोगों के दिलों में बसे हैं। आज भी मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग से जुड़े गीतों को बजाया-गुनगुनाया जाता है।

पतंग टाइटल वाली फिल्में

1960 में 'पतंग' नाम से एक फिल्म आई थी। इस फिल्म में राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा, राज मेहरा, मनोरमा और अचला सचदेव ने काम किया था। फिल्म का नाम 'पतंग' क्यों रखा यह तो निर्माता ही जाने, लेकिन इस फिल्म में पतंग पर आधारित एक गीत 'यह दुनिया पतंग नित बदलें हैं रंग' था। जिसे एक बार सुखद और दूसरी बार दुःखद भाव में फिल्माया गया था। इसके बाद फिल्मों में पतंग पर आधारित गीत और प्रसंग तो आते रहे लेकिन शीर्षक से पतंग नदारद हो गई। 11 साल बाद फिल्म 'कटी पतंग' ने इस सूनेपन को समाप्त किया। फिल्म की नायिका की स्थिति को चित्रित करने वाले शीर्षक की यह फिल्म, राजेश खन्ना और आशा पारेख के अभिनय और आरडी बर्मन के मधुर संगीत की वजह से खूब चली। इस फिल्म में एक गीत 'ना कोई उमंग है...' के दौरान उड़ती पतंग इस फिल्म में पट्टे पर दिखाई भी दी।

रील-रियल लाइफ में पतंगबाज एक्टर

ऐसा कहा जाता है कि बॉलीवुड में दिलीप कुमार ऐसे अभिनेता थे, जिनको पतंग उड़ाने में महारत हासिल थी। जब वह अपने घर की छत पर पतंग



फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान खान उड़ाते थे तो बॉलीवुड के कई नामी निर्माता उनके पतंग के साथ डोर की चरखियां थामने को बेकार रहते थे। इसी तरह सलमान खान ने भी ना केवल वास्तविक जीवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र

मकर संक्रांति के अवसर पर खूब उत्साह-उमंग से पतंग उड़ाई जाती है। हिंदी फिल्मों में इस पर्व को तो नहीं, लेकिन पतंग के टाइटल वाली फिल्मों और उस पर आधारित गीत खूब बनते रहे हैं। पतंग टाइटल वाली कुछ चर्चित फिल्मों और गीतों पर एक नजर।

सिनेमा-पट्टे पर भी खूब उड़ी हैं पतंगें



मोदी (जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे) के साथ पतंग उड़ाई है, बल्कि फिल्म 'सुलतान' में पतंग लूटने के दृश्य में भी वे नजर आए हैं। उन्होंने फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' में ऐश्वर्या राय के साथ प्यार की पतंग खूब उड़ाई थी।

पतंग पर आधारित गीत

जहां तक गानों की बात है तो हिंदी फिल्मों में पतंगों पर भी कई गाने बने और हिट हुए हैं। पतंग पर आधारित गीतों का सिलसिला 1949 में प्रदर्शित फिल्म 'दिल्लीगं' से शुरू हुआ। फिल्म का गीत 'मेरी प्यारी पतंग चली बादलों के संग' तब बहुत लोकप्रिय हुआ था। इसके बोल ऐसे दिल में उतरने वाले थे कि उस दौर में पतंग उड़ाने समय लगभग हर युवा यही गीत गुनगुनाते दिखाई पड़ता था। ऐसा ही एक गीत 'चली चली रे पतंग मेरी चली रे' सन् 1957 की फिल्म 'भाभी' में जगदीप और नंदा पर फिल्माया गया था। फिल्म में पतंग उत्सव को प्रदर्शित करता यह गीत आज भी मकर संक्रांति पर टीवी चैनल और रेडियो पर सुनाई दे जाता है। नए दौर में फिल्म 'रईस' का सुखविंदर और भूमि त्रिवेदी का गाना गीत 'उड़ी-उड़ी जाए' पतंग महोत्सव का मजा देते हुए झुमने पर मजबूर कर देता है। फिल्म 'काई पो छे!' का 'मांझा' गीत में जिंदगी के एक नए नजरिए को दिखाने की कोशिश की गई। इसके जरिए जिंदगी, रिश्ते और जच्चे की दास्तां बयां की गई।

फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' का 'ढील दे दे रे भइया' गीत पतंग उड़ाने के दौरान अक्सर लोगों के मुंह से निकल ही जाता है। यह गाना काफी लोकप्रिय भी हुआ था। फिल्म 'अर्थ' के गीत 'रुत आ गई रे' में आसिर खान फिल्म की नायिका को पतंग उड़ाना सिखाते दिखते हैं। यह एक रोमांटिक गीत है, जिसे एआर रहमान ने अपनी आवाज दी है। फिल्म 'फुकरे' के गीत



फिल्म 'फुकरे' के गीत 'अंबरसरिया...' का एक सीन 'अंबरसरिया' में भले ही पतंग शब्द का जिक्र ना हुआ हो लेकिन इसमें पतंगबाजी के दौरान होने वाली अटखिलियों को बड़े ही मजेदार ढंग से दर्शाया गया है। पतंग पर अपनी प्रेमिका को प्यार भरा मैसेज लिखकर भेजना दर्शकों को उस दौर में ले जाता है, जब छतों पर पतंगों के जरिए प्यार हुआ करता था।

आज फिल्मों में पतंग शीर्षक या पतंग पर आधारित गीत नहीं होते हैं। उन फिल्मों में पतंगबाजी के दृश्यों ने दर्शकों को लुभाया है। उनमें से एक फिल्म 'दिल्ली 6' है, जिसमें पतंग के जानदार दृश्य देखने को मिले।*